निरंतर अभ्यास-ज्ञान और सत्य के साथ

काल: सत्यं वदति

दैनिक

सच समाचार

www.dainiksachsamachar.com, E-mail ID: sachsamachar013@gmail.com

RNI NO. - MPHIN/2025/A2700

वर्ष-1 ॥ अंक- 329 ॥ पृष्ठ-8 ॥ शुल्क- 2 रुपए ॥ भोपाल ॥ रविवार 06 सितंबर ॥ 2026

सच-संक्षेप

स्कूल बस में बच्ची से दरिंदगी चालक को पकड़ा

नवी मुंबई । महाराष्ट्र के नवी मुंबई में एक निजी स्कूल बस के ड्राइवर (30) को तीन वर्षीय बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह घटना कामोठे इलाके में हुई। पुलिस ने बताया कि आरोपी एक निजी बस चलाता था जो स्थानीय किंडरगार्टन और प्राइमरी स्कूल के बच्चों को लाने-ले जाने का काम करता था। बुधवार को दोपहर करीब 12:30 बजे ड्राइवर बच्चों को उनके घर छोड़ने गया था। बाकी बच्चों के उतरने के बाद, तीन साल की एक बच्ची बस में अकेली रह गई। पुलिस के मुताबिक, ड्राइवर ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया।

बकाया बिल का भुगतान न होने पर दो ठेकेदारों ने दी जान

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकारी विभागों में वर्षों से बकाया बिलों के भुगतान नहीं होने का मुद्दा अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। आर्थिक तंगी और भुगतान में लगातार हो रही देरी के बीच बीते 10 दिनों में दो ठेकेदारों ने आत्महत्या कर ली। वहीं, एक वर्ष में 6 ठेकेदारों के खुदकुशी करने का दावा किया जा रहा है। महाराष्ट्र राज्य कंत्राटदार महासंघ के अनुसार, राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों पर ठेकेदारों के 86000 करोड़ रुपये से अधिक का बिल बकाया है।

सीबीआई-ईडी पर बोले चिदंबरम तोता कभी बन जाता है पिटबुल

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों को और अधिकार तथा आजादी देने के विचार को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सीबीआई, ईडी को अगर और अधिकार दिए गए तो देश में भारी गड़बड़ी मच जाएगी। सीबीआई और ईडी ने अपने वैध अधिकार क्षेत्र से कहीं अधिक काम किया है। वे खुद ही कानून बन गए हैं। निगरानी की कमी के कारण पिंजरे में बंद तोता कभी-कभी पिटबुल बन जाता है।

अमेरिकी नागरिक समेत सात पर म्यांमार में ड्रोन हमले का आरोप

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट को बताया है कि मार्च में मिजोरम सीमा से अवैध रूप से भारत में प्रवेश के आरोप में गिरफ्तार अमेरिकी नागरिक मैथ्यू वान डाइक और छह यूक्रेनी नागरिकों का संबंध म्यांमार में एक यात्री विमान पर हुए ड्रोन हमले से होने का आरोप है। एनआईए के मुताबिक समूह भारत में आतंकी गतिविधियों की साजिश भी रच रहा था। एजेंसी ने वान डाइक और यूक्रेनी नागरिक कामिन्स्की विक्टर से तिहाड़ जेल में पूछताछ की अनुमति मांगी, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया।

एनआईए ने बताया कि 14 यूक्रेनी नागरिक अलग-अलग तारीखों पर पर्यटक वीजा पर भारत आए और गुवाहाटी के रास्ते मिजोरम पहुंचे। आरोप है कि वे जरूरी परमिट के बिना म्यांमार गए। जांच एजेंसी के मुताबिक उन्हें ड्रोन युद्ध, संचालन, असेंबली और जैमिंग तकनीक की ट्रेनिंग देनी थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि जब्त उपकरणों से मिले फोटो, वीडियो और आवाज के नमूनों से अहम सुराग मिले हैं। जांच अभी जारी है और आरोप अदालत में साबित होना बाकी है।

मध्यप्रदेश में अब सड़क सफर होगा महंगा 12 और सड़कों पर लगेगा टोल, सरकार का सालाना 3 हजार करोड़ कमाई का प्लान

भोपाल। मध्यप्रदेश में आने वाले समय में सड़क से सफर करना महंगा हो सकता है। राज्य सरकार सड़कों से होने वाली आय बढ़ाने के लिए टोल व्यवस्था का विस्तार करने की तैयारी में है। कम से कम 12 और सड़कों को टोल के दायरे में लाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसके अलावा कुछ अन्य सड़कों को भी भविष्य में इस व्यवस्था से जोड़ने की योजना है। फिलहाल प्रदेश में मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) की अलग-अलग योजनाओं के तहत 93 सड़कों पर 139 टोल प्लाजा संचालित हो रहे हैं। विभाग का मानना है कि नई सड़कों को टोल व्यवस्था से जोड़कर सरकार की आय में बड़ा इजाफा किया जा सकता है। अभी 400 करोड़, लक्ष्य 3 हजार करोड़ तक पीडब्ल्यूडी से जुड़े अधिकारियों के अनुसार प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के टोल से सालाना करीब 4 हजार करोड़ रुपये की आय होती है। इसके मुकाबले पीडब्ल्यूडी और एमपीआरडीसी की टोल से कमाई करीब 400 करोड़ रुपये सालाना है। इसी अंतर को देखते हुए विभाग अगले 10 से 15 साल में टोल से होने वाली आय को बढ़ाकर 2 हजार से 3 हजार करोड़ रुपये सालाना तक पहुंचाना चाहता है। इसके लिए नई सड़कों का निर्माण टोल आधारित मॉडल पर करने पर जोर दिया जा रहा है।

शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री ने दिया तोहफा, किया ऐलान

प्रदेश में शिक्षकों की टीईटी परीक्षा ऑफलाइन मोड पर होगी : मोहन

सच संवाददाता ॥ भोपाल

शिक्षक दिवस पर आज शिक्षक सम्मान का आयोजन प्रशासन अकादमी में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने दीप प्रज्जलित कर किया। मंत्री विजय शाह, विश्वास सारंग, राव उदय प्रताप सिंह, विधायक भगवान दास सबनानी, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी सहित विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे। इस अवसर पर राज्यपाल मंगु भाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने दायित्व निर्वहन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के 33 शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया।

शिक्षक पात्रता को लेकर प्रदेश भर करीब 1.50 लाख शिक्षक परेशान थे। कर्मचारी चयन आयोग ने परीक्षा आनलाइन लेने के लिए विज्ञापन जारी किया है। कम्प्यूटर चलाने में जो शिक्षक दक्ष नहीं है उनकी परेशानी को समझकर मुख्यमंत्री ने आज घोषणा की कि जिन शिक्षकों को टीईटी परीक्षा देनी है और जिन्हें ऐसी ज़रूरत है, उन्हे टीईटी परीक्षा ऑफलाइन दिलाने के प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षकों के लिए जो बेहतर हो सकता है, ऐसे सभी जरूरी निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हो रही टीईटी की परीक्षा ऑफलाइन मोड पर होगी। शिक्षा विभाग के आधार पर शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए हम प्रयास कर रहे हैं। हमारे शासकीय स्कूल, प्राइवेट स्कूलों से बेहतर होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत की गौरवशाली गुरुकुल और गुरु-शिष्य परंपरा दुनिया में सबसे प्राचीन है। भारत की मंशा कभी किसी देश को अधीन करने की नहीं रही। हम वसुधैब कुटुम्बकम की भावना से मानवता को बढ़ाने के लिए कार्य करते आए हैं। प्राचीन काल में भारत ने तथशिला, नालंदा और विक्रमजीत शिला विश्वविद्यालयों के माध्यम से दुनियाभर के विद्यार्थियों को शिक्षित किया। वर्तमान समय ऐसा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत शांति और स्थिरता के साथ अर्थव्यवस्था की मजबूती की ओर बढ़ रहा है और दुनिया भारत की ओर बड़ी आशा के साथ देख रही है। आजादी के बाद भारत ने गुट निरपेक्ष नीति अपनाई थी और वह समय आया है, जब प्रधानमंत्री श्री मोदी दुनिया के अलग-अलग शक्तिशाली देशों के राष्ट्राध्यक्षों से पूरे सम्मान के साथ मुलाकात और चर्चा करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया में देश का मान निरंतर बढ़ रहा है। इसके पीछे गुरु की महिमा है, क्योंकि जहां गुरूर खत्म होता है, जहां गुण शुरू होता है, वहीं गुरु खड़ा होता है। देश का नक्शा कागजों पर बनता है, लेकिन देश की किस्मत हमारे गुरुजन कक्षाओं में बनाते हैं। हमारे शिक्षक और गुरुजन इन कक्षाओं के अधिपति हैं। शिक्षक कई पीढ़ियों तक अपने शिष्य की प्रगति से आनंदित होता है।

पीएम की राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों से मुलाकात

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

पीएम मोदी ने शनिवार को टीचर्स डे पर उन 48 शिक्षकों से बातचीत की, जिन्हें आज राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जाएगा। पीएम मोदी के यूट्यूब चैनल पर 5 मिनट का वीडियो जारी किया गया। पीएम ने एक महिला टीचर से पूछा कि आप बच्चों को पब्लिक स्पीकिंग सिखाती हैं। अगर मैं आपके यहां का स्टूडेंट हूं और मुझे एक अच्छा स्पीकर बनना है तो मुझे टिप्स दीजिए कि मुझे क्या-क्या करना चाहिए।इस पर टीचर ने जवाब दिया कि आपको सबसे पहले कॉन्फिडेंस दिखना चाहिए। इस पर पीएम ने हंसते हुए कहा कि तो आखिर ये कॉन्फिडेंस कैसे आएगा। टीचर्स ने कहा कि इसकी प्रैक्टिस करनी होती है। शिक्षक दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 48 स्कूल टीचर्स को राष्ट्रीय पुरस्कार देंगी।

सहारनपुर में मस्जिद पर चला बुलडोजर

सहारनपुर। सहारनपुर कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद में शनिवार अलसुबह ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हुई। कलेक्ट्रेट के पांचों गेट सील कर दिए गए और आरएएफ समेत भारी पुलिस बल तैनात रहा। कैराना सांसद इकरा हसन को सहारनपुर जाने से पहले हाउस अरेस्ट किया गया।मस्जिद हटाने की कार्रवाई दो सितंबर को जिला जज की अदालत के आदेश के बाद शुरू की गई। जेसीबी, डंपर और अन्य मशीनें रात में ही कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचा दी गई थीं। इसके बाद शनिवार सुबह धीरे-धीरे मस्जिद के ढांचे को हटाने की कार्रवाई शुरू हुई।ध्वस्तीकरण से पहले ही कलेक्ट्रेट परिसर के पांचों प्रवेश द्वार सील कर दिए गए।

मुरैना में कंटेनर ने पैदल जा रही महिलाओं को रौंदा, तीन की मौत

सच संवाददाता ॥ मुरैना

मंदिर पर जन्माष्टमी का त्योहार मनाने के बाद पैदल घर जा रही तीन महिलाओं को कंटेनर ने कुचल दिया। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, दो ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों में सास-बहू शमिल है।नेशनल हाईवे-44 पर घिरौना मंदिर के पास यह दर्दनाक हादसा बीती रात एक बजे हुआ। घिरौना मंदिर पर हरफूल का पूरा गांव की एक दर्जन से ज़्यादा महिलाएं जन्माष्टमी मनाने आई थीं। जन्माष्टमी मनाने के बाद 50 साल की कमला कुशवाहा पत्नी बालकिशन अपनी बहू पूनम कुशवाहा पत्नी धर्मवीर उम्र 28 साल और पड़ोसी कमला कुशवाहा पत्नी फूल सिंह के साथ रात एक बजे वापस घर जा रहीं थीं।

केरल के त्रिशूर में खड़े ट्रक से टकराई कार के उड़े परखच्चे 8 इंजीनियरिंग छात्रों की मौत

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर जिले में कल देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। इस सड़क दुर्घटना में तमिलनाडु के आठ इंजनीयरिंग छात्रों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, छात्रों की कार कैपामंगलम में बन रहे नेशनल हाईवे 66 पर खड़ी एक मालवाहक ट्रक से टकरा गई। यह दुखद हादसा पनम्बिक्कुन्नू सेंटर में हुआ, जिसमें डिंडीगुल के पीएसएनए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के छात्रों की जान चली गई। यह घटना कल रात 11.42 बजे हुई जब तमिलनाडु नंबर वाली कार का नियंत्रण खो गया और वह तेज रफ्तार में लॉरी से टकरा गई। खबर के मुताबिक, ट्रक नेशनल हाईवे पर एक मोड़ के पास खड़ी थी।टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से लॉरी के नीचे फंस गया। जोरदार टक्कर की आवाज़ सुनकर, आस-पास के लोग, पुलिस और फायर फोर्स के लोग मौके पर पहुंचे और बचाव का काम शुरू किया। इस भीषण दुर्घटना का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है, क्योंकि, कार के अंदर आगे की सीटों में फंसे शवों को बाहर निकालने के लिए कार को काटना पड़ा। कार में सवार सभी आठ लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मरने वाले सभी लोग तमिलनाडु के 20 साल के लड़के थे। मरने वालों में से पांच की पहचान सलेम के विश्वा, डिंडीगुल के सूर्या और युवा संजीत, और मदुरै के संतोष और प्रसन्ना के तौर पर हुई है। बाकी तीन यात्रियों की पहचान करने की कोशिशें चल रही हैं। पुलिस ने पहचाने गए पीड़ितों के परिवारों को जानकारी दे दी है।शुरुआती जांच से पता चलता है कि लड़के केरल में छुट्टियां मनाने गए थे। छात्रों की अचानक मौत से इलाके में मातम छा गया है, जिससे कॉलेज के अधिकारी और सहपाठी गहरे सदमे में हैं। खबर के मुताबिक, कैपामंगलम पुलिस ने जांच पूरी कर ली है और शवों को त्रिशूर मेडिकल कॉलेज अस्पताल की मॉर्चरी में शिफ्ट कर दिया है। पोस्टमॉर्टम के बाद शवों को रिश्तेदारों को सौंप दी जाएंगी। इस बीच, स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि स्ट्रीट लाइट ठीक से न होने और हाईवे पर वॉर्निंग बोर्ड न होने की वजह से यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि रात के समय इलाके में आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। हालांकि, चल रहे सड़क निर्माण कार्य की वजह से कई जगहों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है, लेकिन सही साइनबोर्ड न होने की वजह से दूर-दराज से आने वाले ड्राइवर को यहां कुछ समझ में नहीं आता है।

मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से कई नदियां उफान पर, स्कूलों में छुट्टी घोषित

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश का असर अब जनजीवन पर साफ दिखने लगा है। भारी बारिश की चेतावनी के बीच आज 7 जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। कई नदियां उफान पर हैं, राजघाट बांध के 14 गेट खोले जा रहे हैं और भोपाल में भदभदा डैम से पानी छोड़ा गया है। मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जबकि श्योपुर और शिवपुरी में दो युवक तेज बहाव में बह गए हैं।भारी बारिश और बाढ़ जैसे हालात को देखते हुए आज श्योपुर, शिवपुरी, गुना, मुरैना, भिंड और ग्वालियर में स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। कहीं नर्सरी से 8वीं तक तो कहीं नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों को अवकाश दिया गया है। कई जिलों में आंगनवाड़ी केंद्र भी बंद रहेंगे। प्रशासन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए यह फैसला लिया है।श्योपुर में विजयपुर के पास क्वारी नदी का जलस्तर बढ़ने से पुल और आसपास के इलाकों में पानी भर गया है। बाढ़ जैसे हालात के चलते कई घरों को खाली कराया गया है। सागर जिलें में दिनभर बारिश के बाद रात में झमाझम पानी गिरा। ग्रामीण इलाकों में भी बारिश हुई। सागर शहर में आधा इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई। खुरई, रहली और जैसीनगर में करीब एक इंच पानी गिरा। राहतगढ़, केसली, मालथौन, बीना और गढ़ाकोटा में करीब आधा इंच बारिश हुई है। लगातार बारिश से सागर के राजघाट बांध का जलस्तर भी बढ़ा है। बांध अब 513 मीटर तक भर चुका है। पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए अभी करीब 2 मीटर पानी की जरूरत है।

बोलिविया सैन्य परिसर के अंदर जोरदार विस्फोट, 10 की मौत, 60 से ज्यादा घायल

ला पाज । बोलिविया में एक सैन्य परिसर में हुए जोरदार विस्फोट ने भारी तबाही मचा दी। स्थानीय स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का के मुताबिक, हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए। हालांकि, मृतकों की संख्या बढ़कर 15 तक पहुंचने की आशंका जताई गई है। विस्फोट स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:30 बजे वियाचा स्थित सैन्य परिसर में हुआ। यह इलाका बोलिविया की राजधानी ला पाज से करीब 30 किलोमीटर दूर है। अधिकारियों के अनुसार, धमाका उस हिस्से में हुआ जहां आतिशबाजी और पायरोटेक्निक सामग्री रखी गई थी। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विस्फोट की शुरुआत किस वजह से हुई। अधिकारियों ने बताया कि परिसर में रक्षा मंत्रालय के भंडार में रखी आतिशबाजी मौजूद थी।

राहुल गांधी के कार्यक्रम में 20 हजार युवाओं ने कराया पंजीयन

सच संवाददाता ॥ इंदौर

19 सितंबर को इंदौर में होने वाले राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए कांग्रेस नेताओं ने कमर कस ली है। इस आयोजन में न तो कांग्रेस के नेता राहुल के साथ मंच साझा करेंगे और न ही कांग्रेस का झंडा आयोजन में कहीं नजर आएगा, लेकिन पर्दे के पीछे कांग्रेस नेता इस आयोजन की बागडोर संभाले हुए हैं। विद्यार्थियों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का विकल्प दिया गया है। इसमें अब तक 20 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन की बात कही जा रही है। इस आयोजन में 70 हजार से ज्यादा लोगों के जुटने की उम्मीद है। आयोजन स्थल को भी समतल किया जा रहा है, लेकिन शुक्रवार को हुई बारिश की वजह से काम रुक गया। पहले यह कार्यक्रम इंदौर के नेहरू स्टेडियम में होना था। लेकिन वहां नगर निगम ने इसकी अनुमति नहीं दी।राहुल गांधी के 19 सितंबर के आयोजन को कांग्रेस नेता गैर-राजनीतिक बता रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा को इस आयोजन को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देखना चाहिए। राहुल गांधी शामिल युवाओं से उनके सपनों, शिक्षा के अधिकार और शिक्षा व्यवस्था की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर संवाद करेंगे।

15 से बंद हो सकता है दुकानदारों का यूपीआई

नई दिल्ली। ऑनलाइन पेमेंट लेने में मदद करने वाली कंपनियों ने रिजर्व बैंक से दुकानदारों की री-केवाईसी के लिए तय 15 सितंबर की समयसीमा को आगे बढ़ाने की अपील की है। वजह यह है कि देश के लाखों छोटे-बड़े दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों का वेरिफिकेशन अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। अगर आरबीआई ने री-केवाईसी की आखिरी तारीख नहीं बढ़ाई, तो लाखों दुकानदारों का ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम बंद हो सकता है। इससे जब आप दुकानों, ठेलों या ऑनलाइन कोई सामान खरीदेंगे, तो यूपीआई या कार्ड से पैसे भेजने में दिक्कत आएगी।

कर्ज का ब्याज नहीं चुकाया तो महिला को अगवा कर पीटा

बंगलूरू ॥ एजेंसी

बंगलूरू में कर्ज का पैसा और ब्याज नहीं चुकाने को लेकर 30 वर्षीय महिला को कथित तौर पर अगवा करने और उसके साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। आरोप है कि महिला को दो दिन तक एक घर में बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान उसे निर्वस्त्र कर उसका वीडियो भी बनाया। साथ ही कथित तौर पर धमकाया गया कि अगर रकम नहीं चुकाई तो उसका निजी वीडियो प्रसारित कर दिया जाएगा। घटना 27 से 31 अगस्त के बीच चंद्रा लेआउट थाना क्षेत्र में हुई। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने नजाथ से 50 हजार रुपये साप्ताहिक किस्त के आधार पर उधार लिए थे। करीब दो साल पहले उसने रेशमा बानू से भी एक लाख रुपये लिए थे। आर्थिक परेशानी के कारण वह हाल की किस्तें नहीं चुका पा रही थी। शिकायत के अनुसार, 27 अगस्त को उसे किसी काम के बहाने नजाथ के घर बुलाया गया। वहां रेशमा, उसके पति सुहैल और दो अन्य लोग पहुंचे और कथित तौर पर महिला के साथ हाथ और चाकू से मारपीट की। महिला को बेटे के साथ कहां ले जाया गया? शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने महिला का मोबाइल फोन भी क्षतिग्रस्त कर दिया और उसे उसके छोटे बेटे के साथ ऑटोरिक्शा में जबरन कुंबलगोडु ले गए।

आशंका ॥ डब्ल्यूएमओ का अलर्ट- खतरनाक स्तर पर अल नीनो, फरवरी तक रहेगा असर

इस बार नहीं पड़ेगी कड़ाके की ठंड, अल-नीनो का असर

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

प्रशांत महासागर के अप्रत्याशित रूप से गर्म होने के चलते अल-नीनो अपने खतरनाक स्तर की ओर बढ़ रहा है। यूएन के विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिसर्च रिपोर्ट अलर्ट करती है कि अक्टूबर से नवंबर तक अल-नीनो और मजबूत होगा, साथ ही इसका असर फरवरी, 2027 तक देखने को मिलेगा। इसके दुष्प्रभाव से दुनियाभर में भयंकर गर्मी, बाढ़, सूखा जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। अगले साल की शुरुआत में अल-नीनो अपने चरम पर होगा और फरवरी के बाद से इसके कमजोर पड़ने की संभावना है। डब्ल्यूएमओ का यह फोरकास्ट 3 सितंबर को जारी किया गया है। यह पहली बार है जब यूएन की वेदर एजेंसी ने अल-नीनो को लेकर इतनी प्रबल आशंका जताई है। दरअसल, बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग, गर्म होते महासागर, चढ़ता समुद्र का जलस्तर और ग्रीन हाउस गैसों के बेतहाशा उत्सर्जन से सीजन-दर-सीजन बिगड़ते मौसम को लेकर हाल-फिलहाल में यूएन और उसकी की दो एजेंसियों ने सभी देशों को आगाह किया है। डब्ल्यूएमओ की तरह ही यूएन इनवायरनमेंट प्रोग्राम की रिपोर्ट कहती है कि वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी ग्लोबल वार्मिंग की तय सीमा 1.5 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाने की कगार पर पहुंचने वाली है। इसी तरह से भारतीय मौसम विभाग(आईएमडी) की माने तो बीता अगस्त 125 वर्षों में अब तक का सबसे गर्म महीना रहा है। यूएन की एक अन्य रिपोर्ट समुद्रों के बढ़ते जलस्तर को लेकर सावधान करती है।

प्रशांत महासागर की सतह के नीचे का तापमान बढ़ा

डब्ल्यूएमओ के मुताबिक पैसिफिक ओशन(प्रशांत महासागर) के कई हिस्सों में पानी की सतह के नीचे का तापमान बढ़ गया है। जुलाई और अगस्त के शुरू में सामान्य से तकरीबन 8 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। असल में अल-नीनो एक नेचुरल क्लाइमेंट पैटर्न है, जो दो से सात साल में एक बार बनता है, जब प्रशांत महासागर का मध्य व पूर्वी भाग असामान्य रूप से गर्म हो जाता है।प्रशांत की यही गर्मी हजारों मील दूर तक वायुमंडलीय सर्कुलेशन(एक तरह की मानसूनी या बादल बनाने वाली हवाएं) को बिगाड़ देती हैं। इससे नतीजा यह होता है कि भारत सहित कई देशों में सामान्य बारिश का मौसम असंतुलित हो जाता है।

तटीय शहरों से करोड़ों के विस्थापन का खतरा

यूनाइटेड नेशंस की रिपोर्ट बढ़ते समुद्री जलस्तर को लेकर सजग करती है। इसके मुताबिक राइजिंक सी-लेवल से नुकसान का खतरा अब ज्यादा दूर नहीं है। यह कई शहरों में पहले से ही अर्बन इंफास्ट्रक्चर, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क, वाटर सिस्टम, ग्राउंड वाटर, एनर्जी ग्रिड्स और इमारतों को नुकसान पहुंचा रहा है।आगे चलकर दक्षिण एशिया के मुंबई, कोलकाता और ढाका जैसे शहरों में लोगों के विस्थापन के रूप में इसका असर देखा जाएगा। रिपोर्ट कहती है कि इससे करीब डेढ़ करोड़ लोग प्रभावित होंगे।

महिला ने 4 साल के बच्चे को किया अगवा

सुरेंद्रनगर। सुरेंद्रनगर के पटडी बस स्टेशन के पास फुटपाथ पर एक मजदूर परिवार रहता है। महिला ने परिवार के 4 वर्षीय बच्चे को अगवा कर लिया। परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामला बच्चे से जुड़ा था इसलिए पुलिस ने तुरंत पूरे इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया। इसी में से एक फुटेज में दिखा कि एक बच्चा किसी महिला का हाथ पकड़ कर जा रहा है। फुटेज की और बारीकी से जांच की गई तो पता चला कि जो बच्चा दिख रहा वो गुमशुदा बच्चे के हुलिए से मेल खा रहा है। इलाके से एक महिला ने भीख मंगवाने के लिए एक चार साल के बच्चे का अपहरण कर लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय जेल भोपाल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पर्व पर लड्डू गोपाल की पूजा की।

मुख्यमंत्री बरखेड़ी के राधा-कृष्ण मंदिर में बाल कन्हैया को अपने सिर पर रख] चल समारोह में सहभागिता की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महू के जानापाव में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना की।

मुख्यमंत्री ने ग्लोबल समिट के लिए निवेशकों, विशेषज्ञों और स्टार्टअप्स को दिया आमंत्रण, एमपी सेमीकंडक्टर समिट के कैम्पेन पोस्टर का किया विमोचन

इंदौर में 23-24 अक्टूबर को होगी एमपी सेमीकंडक्टर समिट 2026

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 की संकल्प पूर्ति में अग्रणी भूमिका निभाएगा मध्यप्रदेश : मोहन

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के माध्यम से देश को इस क्षेत्र में सशक्त बनाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस संकल्प को साकार करने में मध्यप्रदेश अपनी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर जैसे आधुनिक विज्ञान के अनेक प्रकल्पों पर बेहतरीन काम हो रहा है। इस क्षेत्र में प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार अग्रसर है। एक दौर वो था, जब चिप निर्माण के दिशा में कोई सोचता भी नहीं था। अब मध्यप्रदेश ने इस दिशा में कदम बढ़ाने के लिए ठोस निर्णय लिए हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आगामी 23-24 अक्टूबर को इंदौर में होने वाली एमपी सेमीकंडक्टर समिट-2026 के कैम्पेन पोस्टर के विमोचन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. मोहन नागर, प्रमुख सचिव विज्ञान प्रौद्योगिकी श्री एम. सेल्वेन्द्रम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार अगले महीने 23-24 अक्टूबर को इंदौर में मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर समिट 2026 का आयोजन करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस ग्लोबल समिट में शामिल हो जा रहे सभी निवेशकों, तकनीकी विशेषज्ञों, स्टार्टअप्स, शिक्षाविदों और नीति-निर्धारकों का मध्यप्रदेश की धरती पर स्वागत करते हुए उन्हें आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी देश-प्रदेशवासियों से एकजुट होकर सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भर होने के स्वप्न को साकार करने और विज़न 2047 के समृद्ध मध्यप्रदेश एवं विकसित भारत की यात्रा में सहभागी होने का आह्वान किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने बीते ढाई वर्ष में सभी क्षेत्रों में उद्योग और व्यापार अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए 25 नई नीतियां लागू की हैं। इनसे सरलीकृत, पारदर्शी और वचनबद्धता के साथ कार्य करने का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश में सबसे अधिक रोजगार देने वाला, बेरोजगारी दर को न्यूनतम स्तर पर लाने वाला तथा देश-विदेश के निवेशकों का दिल और विश्वास जीतने वाला राज्य बन गया है।

कैलारस शुगर फैक्ट्री को कराया जाएगा पुनः प्रारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कैलारस शुगर फैक्ट्री को पुनः प्रारंभ कराया जाएगा। इससे क्षेत्र के किसानों को अपनी उपज का बेहतर लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। मुरैना में दुग्ध समितियों के माध्यम से दुग्ध संग्रहण को बढ़ावा देकर किसानों की आय में वृद्धि के प्रयास किए जाएंगे। मुरैना सहित जिले की प्रत्येक नगर पंचायत में गीता भवन का निर्माण कराया जाएगा। इन भवनों में नागरिकों को अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। जिले के एक विकासखंड में वृंदावन भवन भी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को कृषि उपज मंडी परिसर मुरैना में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को सीहोर से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बलराम कृषि महोत्सव और कृषि प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों के प्रति प्रेरित करने की बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुरैना जिला गेहूं, धान, तिलहन और दलहन के उत्पादन में अग्रणी रहा है। किसान गेहूं की खेती को बढ़ावा दें। खेती के लिए दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी के क्षेत्र में प्रदेश को देश में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। भविष्य में 30 लाख लोगों को सोलर पंप उपलब्ध कराने की योजना है। इससे किसानों को सिंचाई के साथ विद्युत व्यय में भी लाभ मिलेगा।

साइंटिस्ट्स खोज रहे हाथियों की हिस्ट्री ज्योग्राफी, रिसर्च में बांधवगढ़ खोलेगा बिग एनिमल के छुपे राज

सच संवाददाता ॥ उमरिया

मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और संजय गांधी टाइगर रिजर्व में एक खास रिसर्च शुरू हो गई है। यहां हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए, अब उन पर वैज्ञानिक शोध और अनुसंधान भी शुरू हो गए हैं। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया देहरादून के रिसर्चर इस पर काम कर रहे हैं। लगभग 3 सालों तक चलने वाले इस वैज्ञानिक शोध और अध्ययन में हाथियों के आवास, रहन-सहन, व्यवहार, मूवमेंट आदि से एशियाई हाथियों की ईकोलॉजी को और बेहतर तरीके से समझने का प्रयास किया जाएगा।हाल ही में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के ताला ईको सेंटर में दिग्गज रिसर्चर्स के बीच इस रिसर्च को लेकर मंथन किया गया है, जिसमें कई अहम मुद्दों पर प्रेजेंटेशन भी दिया गया। हाथियों पर हो रही इस विशेष रिसर्च में कई अहम मुद्दों पर अध्ययन किया जा रहा है, जिसे हाथियों के संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय बताते हैं, वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया देहरादून के रिसर्चर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और संजय गांधी टाइगर रिजर्व के हाथियों पर रिसर्च कर रहे हैं। सेंट्रल इंडिया का जो एंट्री वाला रीजन है, उसमें पहले हाथी नहीं थे, लेकिन यहां बांधवगढ़ में हाथियों के आने से उनपर कई सारी रिसर्च की संभावनाएं अब बन रही हैं।

रिसच में सबसे पहले यह तय होगा कि हाथियों को यहां क्या पसंद आया? अगर आवास पसंद आया, तो आवास में क्या पोटेंशियल है। हाथी किस रीजन में और कहां रहता है? क्या खाता है? उसका दिन भर का मोमेंट कैसा रहता है? इन सब सवालों के जवाब ढूंढने का प्रयास किया जाएगा। जब इन पर रिसर्च होगी तो हाथियों के संरक्षण की दिशा में कई लाभ होंगे।

इस रिसर्च के दौरान 6 हाथियों को जिसमें से चार बांधवगढ़ और दो संजय गांधी टाइगर रिजर्व के हैं, उन 6 हाथियों को रेडियो कॉलर दिया जाएगा। जो फीमेल लीडर हथिनी होती है, जो अपने हर्ड की लीडर होती है, उनको रेडियो कॉलर किया जाएगा, जिससे उनके हर एक मोमेंट का पता चलेगा। ये किधर जाते हैं, कहां रहते हैं, कब किस तरह का मूवमेंट होता है, कितना चलते हैं, कहां रुकते हैं, कितना समय तक रुकते हैं, बांधवगढ़ से संजय गांधी टाइगर रिजर्व जाते हैं या संजय गांधी टाइगर रिजर्व से बांधवगढ़ आते हैं, इन सब चीजों पर स्टडी हो जाएगी।

रिसर्च में इसके अलावा यह भी देखा जाएगा कि कॉरिडोर्स में हाथी किस तरह के कॉरिडोर का इस्तेमाल करते हैं, उनका कॉरिडोर कौन सा है, और उस कॉरिडोर में इनको क्या-क्या दिक्कतें आती हैं, ये भी समझने का प्रयास किया जाएगा।

इसके अलावा हाथियों पर इस तरह के रिसर्च से ये भी पता चलेगा कि हाथियों का कॉन्फ्लिक्ट (मानव-हाथी संघर्ष) क्यों होता है, क्या यचे संघर्ष गांव में हो रहा है? अगर गांव में हो रहा है तो किस गांव में हो रहा है, इसके पीछे के कारण क्या हैं, गांव के जंगल से जुड़े होने की वजह से ये संघर्ष हो रहा है या गांव में लगी किसी खास फसल की वजह से ऐसा हो रहा है। इस तरह के हॉटस्पॉट और हाथियों व मानव संघर्ष की वजहों को जानने का प्रयास भी इस रिसर्च में किया जाएगा।बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक कहते हैं, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाथियों को सुरक्षित आवास व स्थानीय समुदायों के साथ सह अस्तित्व सुनिश्चित करने के लिए, वैज्ञानिक अध्ययन व उसके आधार पर प्रभावी प्रबंधन रणनीति, बहुत महत्वपूर्ण है। बांधवगढ़ और संजय गांधी टाइगर रिजर्व के हाथियों पर चलने वाले वैज्ञानिक शोध एवं अनुसंधान पर होने वाले इस मंथन में आईआईटी देहरादून के रिसर्चर शिवम शर्मा ने प्रेजेंटेशन दिया,जो कि इस रिसर्च के प्रोजेक्ट एसोसिएट भी हैं, हाथियों पर होने वाले इस रिसर्च को लेकर वो बताते हैं :-

यह शोध एवं अनुसंधान परियोजना मध्य प्रदेश के परिदृश्य में, विशेष रूप से बांधवगढ़-संजय गांधी टाइगर रिजर्व लैंडस्केप में, एशियाई हाथियों की पारिस्थितिकी, उनके विचरण व्यवहार और आवास उपयोग को समझने पर केंद्रित है। चूंकि हाथी मध्य प्रदेश के पारिस्थितिकी तंत्र और स्थानीय समुदायों दोनों के लिए एक नया और उभरता हुआ विषय हैं, इसलिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि यह प्रजाति इस परिदृश्य में कैसे अनुकूलित हो रही है, इसका उपयोग कैसे कर रही है और लोग इसकी उपस्थिति पर किस तरह से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यह अध्ययन हाथियों के आवास उपयोग, मौसमी विचरण पैटर्न, होम-रेंज डायनामिक्स और कॉरिडोर के उपयोग का आंकलन करेगा, विशेष रूप से संरक्षित क्षेत्रों, वन क्षेत्रों और कृषि परिदृश्यों के बीच हाथियों की आवाजाही का। जीपीएस टेलीमेट्री, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस आधारित स्थानिक विश्लेषण का उपयोग करते हुए, यह शोध महत्वपूर्ण विचरण मार्गों, आवास उपयोग पैटर्न, खंडित आवासों और हाथियों की आवाजाही में संभावित बाधाओं की पहचान करेगा। हाथियों की पारिस्थितिकी के साथ-साथ, यह परियोजना हाथियों के प्रति लोगों की धारणाओं, अंत:क्रियाओं और प्रतिक्रियाओं का भी परीक्षण करेगी, जिससे हाथियों के इस परिदृश्य में विस्तार के मानवीय आयाम को समझने में मदद मिलेगी।

पेड़ की छांव में लगती है पाठशाला, गरीब बच्चों को मुफ्त पढ़ा रहे हैं कॉन्स्टेबल संजय

इंदौर। इंदौर का लालबाग हर रविवार एक अनोखी पाठशाला का गवाह बनता है। यहां पेड़ की छांव में साठ से ज्यादा बच्चे जुटते हैं और उन्हें इंतजार रहता है वर्दी वाले मास्टरजी का। उन्हें पढ़ाते हैं पुलिस कॉन्स्टेबल संजय सांवरे। पुलिस ड्यूटी पूरी करने के बाद संजय रोज लालबाग आते है और खुले आसमान की पाठशाला में बच्चों का भविष्य संवारते है। पिछले करीब दस साल से वे गरीब और झुग्गी-बस्ती के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा दे रहे हैं। कई बच्चों की स्कूल फीस, किताबें और स्टेशनरी का खर्च भी वे अपनी सैलरी से उठाते हैं। संजय खुद संघर्षों के बीच पढ़कर पुलिस विभाग में पहुंचे हैं। इसी अनुभव ने उन्हें जरूरतमंद बच्चों के लिए कुछ करने की प्रेरणा दी। वे कहते हैं कि लोग समझते हैं कि मदद सिर्फ पैसों से होती है, लेकिन इन बच्चों को सबसे ज्यादा जरूरत शिक्षा की थी। इसलिए शिक्षा की अलख जगाने का संकल्प लिया। उन्होंने 2016 में सिर्फ तीन बच्चों से यह पाठशाला शुरू की थी। धीरे-धीरे बच्चों की संख्या बढ़ती गई और अब साठ से अधिक बच्चे नियमित रूप से पढ़ने आते हैं। बच्चों का पढ़ाई में मन लगा रहे, इसके लिए हर सप्ताह पढ़ाई के साथ अलग-अलग गतिविधियां भी कराई जाती हैं। संजय का सपना है कि इस पाठशाला के बच्चे पढ़-लिखकर अच्छी नौकरियों और सरकारी सेवाओं में जाएं। इस काम में अब उनके कुछ मित्र भी सहयोग करने लगे हैं। बच्चों के लिए की जा रही इस पहल के लिए संजय को कई जगह सम्मानित भी किया जा चुका है।

शहडोल में 15 दिन से ज्यादा रुके तो पुलिस को देनी होगी जानकारी

सच संवाददाता ॥ शहडोल

मध्य प्रदेश के शहडोल में 15 दिनों से ज्यादा रुकने वालों पर पुलिस की खास निगरानी होगी। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और जन सामान्य के हित की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए हैं। इस आदेश के तहत 15 दिन से अधिक ठहरने वाले व्यक्तियों को थाने में अपनी सूचना देनी होगी और अगर इस नियम का उल्लंघन किया गया, तो उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

कलेक्टर के आदेश अनुसार, किरायेदारों व पेइंग गेस्ट की सूचना संबंधित मकान व दुकान मालिक द्वारा विहित प्रारूप में संबंधित थाने पर दिया जाना अनिवार्य होगा। सूचना देने के पूर्व मकान अथवा दुकान किराए पर नहीं दी जाएगी। किरायेदार व पेइंग गेस्ट से आईडी प्रूफ और मोबाइल नंबर भी आवश्यक रूप से लिया जाना होगा। इसी प्रकार घरेलू कामगारों एवं व्यावसायिक कर्मचारियों की जानकारी संबंधित मालिक द्वारा थाने पर सूचना देने के उपरांत ही उन्हें कार्य पर रखा जाएगा।आदेश में कलेक्टर ने आगे कहा, घरेलू कामगारों के आईडी प्रूफ व मोबाइल नंबर भी आवश्यक रूप से लिए जाएंगे। निजी छात्रावासों में रह रहे छात्र-छात्राओं की सूचना भी तय फॉर्मेट में संबंधित थाने को देनी होगी, और उनका आईडी प्रूफ एवं मोबाइल नंबर लिया जाना आवश्यक होगा। होटल, लॉज, धर्मशाला, रैन बसेरा व सभी धार्मिक स्थलों में रुकने वाले व्यक्तियों से पहचान पत्र और मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से लिए जाएंगे। ठहरने वाले व्यक्तियों की सूची आईडी प्रूफ सहित विहित प्रारूप में प्रतिदिन संबंधित थाने पर दी जाएगी। इसके अलावा भवन निर्माण और अन्य निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों एवं कारीगरों की जानकारी ठेकेदार द्वारा विहित प्रारूप में थाने पर देने के बाद ही उन्हें काम पर रखा जाएगा। इसके अतिरिक्त पुलिस द्वारा प्रारंभ किए गए अतिथि पोर्टल पर भी रुकने वाले व्यक्तियों की जानकारी अनिवार्य रूप से दर्ज करनी होगी। कलेक्टर के आदेश के मुताबिक ऑनलाइन शॉपिंग व होम डिलीवरी एजेंट, स्पा सेंटर, मसाज सेंटर व ब्यूटी पार्लर के कर्मचारियों की जानकारी भी तय प्रारूप में थाने पर देनी होगी और उनके आईडी प्रूफ व मोबाइल नंबर भी लिए जाएंगे। इसी प्रकार निजी सुरक्षा एजेंसी के लिए नियुक्त गार्ड या स्वयं के स्तर पर नियुक्त किए गए गार्ड की जानकारी भी संबंधित थाने पर देनी होगी। विदेशी व्यक्तियों के संबंध में तत्काल सूचना एफआरआरओ शाखा, शहडोल को देना अनिवार्य होगा।कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने कहा,नियमों के किसी भी अंश का उल्लंघन करना भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडनीय होगा।

तालाब का पानी गटागट पी गए कलेक्टर बोले इसका स्वाद हिमालय के पानी जैसा

सच संवाददाता ॥ रतलाम

मध्य प्रदेश के रतलाम कलेक्टर की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर सर्कुलेट हो रहा है। इस तस्वीर में कलेक्टर तालाब का पानी सीधे पीते नजर आ रहे हैं। कलेक्टर ने हाल ही में शिवगढ़ वन क्षेत्र में विकसित हो रहे सघन वन प्रोजेक्ट का 6 किलोमीटर पैदल चलकर निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर अजय कटेसरिया ने तालाब में एकत्रित बारिश का का पानी भी पीकर चखा और उसे हिमालय के प्राकृतिक पानी जैसा बताया। कलेक्टर अजय कटेसरिया हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट द्वारा विकसित किए जा रहे सघन वन एवं जल संरक्षण कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस दौरान कलेक्टर ने पूरे वन क्षेत्र का भ्रमण किया और पौधारोपण भी किया। जल संरक्षण के लिए बनाई गई संरचनाओं का निरीक्षण कर स्थानीय ग्रामीणों को मिलने वाले लाभ की जानकारी भी संस्था के पदाधिकारी से ली है।दरअसल, शिवगढ़ वन परिक्षेत्र में हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट द्वारा सघन वन क्षेत्र विकसित किया जा रहा है, जिसके लिए 859 हेक्टेयर क्षेत्र में 2 लाख पौधे लगाए गए हैं। वहीं, जल संरक्षण के लिए 56 चेक डैम भी बनाए जा रहे हैं, जिसमें करीब 45 करोड़ लीटर जल को संरक्षित किया जा सकेगा। शुक्रवार को छुट्टी के दिन कलेक्टर आदिवासी अंचल शिवगढ़ क्षेत्र में निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। यहां बने एक छोटे तालाब में बारिश का स्वच्छ जल देखकर कलेक्टर अजय कटेसरिया ने पानी पीकर टेस्ट किया और उसकी तुलना हिमालय के प्राकृतिक पानी से की है।कलेक्टर ने जल संरक्षण के लिए किया जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इसमें स्थानीय लोगों की सहभागिता और उन्हें रोजगार उपलब्ध कराना भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट के कार्यकर्ता सुनील सोनी ने बताया, शिवगढ़ वन परिक्षेत्र में लगभग 859 हेक्टेयर क्षेत्र में सघन वन परियोजना के अंतर्गत 3 वर्षों से लगभग 2 लाख पौधों का रोपण एवं रखरखाव किया जा रहा है।

अब ड्यूटी के वक्त बच्चों की चिंता खत्म प्रदेश का पहला पुलिस झूला घर स्टार्ट

शिवपुरी। पुलिस की नौकरी में ड्यूटी का कोई निश्चित समय नहीं होता है। कभी दिन, कभी रात और कभी अचानक ड्यूटी लग जाती है। ऐसे में सबसे ज्यादा परेशानी उन महिला पुलिसकर्मियों को होती है जिनके छोटे बच्चे हैं। इसी जरूरत को देखते हुए शिवपुरी पुलिस ने पुलिस कंट्रोल रूम में मध्य प्रदेश का पहला आधुनिक झूला घर शुरू किया है। जहां महिला पुलिसकर्मी अपने बच्चों को छोड़कर जाती हैं।इस झूला घर का शुभारंभ बीते सप्ताह पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया ने किया है। यहां सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक महिला पुलिसकर्मियों के बच्चे सुरक्षित रहेंगे। उनके लिए पढ़ाई, खेल-कूद, कविताएं, खिलौने और आराम की पूरी व्यवस्था की गई है। झूला घर की प्रभारी रूशी शेखावत ने बताया कि बच्चों की देखभाल पुलिस विभाग का स्टाफ करेगा। जितने बच्चे होंगे, उसी हिसाब से स्टाफ भी बढ़ाया जाएगा।पुलिस झूला घर में पदस्थ महिला पुलिसकर्मियों का मुख्य उद्देश्य एक्टिविटी को एक्टिव करके रखना है। इस दौरान बच्चों को गेम्स खिलाए जाते हैं। कविताएं सिखाते हैं और अलग-अलग एक्टिविटी कराते हैं। कोशिश रहती है कि बच्चे खुश रहें और उनकी मां बिना चिंता के ड्यूटी कर सके। देहात थाना में पदस्थ अंजली पाठक ने बताया, मेरे दो बच्चे हैं। पहले ड्यूटी के समय बच्चों को छोड़ने की सबसे बड़ी दिक्कत होती थी। समझ नहीं आता था कि बच्चों को किसके पास रखकर ड्यूटी पर जाऊं। लेकिन पुलिस झूला घर बनने से काफी आसानी हो गई। हम लोग बेफिकर होकर नौकरी करते हैं।महिला पुलिसकर्मियों ने बताया कि पहले बच्चों को साथ लेकर ड्यूटी जाना पड़ता था। लेकिन अब मैं बच्चों को यहां सुरक्षित छोड़कर आराम से अपनी ड्यूटी कर सकती हूं। यह सुविधा हमारे लिए बहुत बड़ी राहत है। झूला घर में बच्चों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, महिला स्टाफ, पालने, खिलौने और पढ़ाई की सामग्री उपलब्ध है। यह पहल महिला पुलिसकर्मियों के लिए राहत के साथ-साथ पूरे प्रदेश के लिए एक नई शुरुआत मानी जा रही है।

राजधानी में देर रात तक मना कान्हा का जन्मोत्सव

मामा के घर में मनी जन्माष्टमी, शिवराज ने फोड़ी दही-हांडी

सच संवाददाता ।। भोपाल

राजधानी मे कान्हा का जन्मोत्सव देर रात तक मना। श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन कर अपने आराध्या के जन्मोत्सव की खुशियां मनाई। मंदिरों में विशेष साज सज्जा की गई जबकि विभिन्न कालोनियों और सोसायटियों में भी सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन किए गए। राजधानी में मामा घर में जन्माष्टमी धूमधाम के साथ मनाई गई। भजन मंडली ने भगवान श्रीकृष्ण के लीला प्रसंगों पर आधारित भजनों की कर्णप्रिय प्रस्तुत दी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मंडली के सुर में सुर मिलाकर भजन गाए। कार्यक्रम में मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय, सांसदद्वय आलोक शर्मा, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, किरार महासभा की अध्यक्ष श्रीमती साधना सिंह चौहान , प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप चौहान, राधेश्याम धाकड़, जिला भाजपाध्यक्ष रविंद्र यति सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे। झमाझम बारिश के बीच श्रद्धालु भजनों की कर्णप्रिय प्रस्तुति पर झूम उठे । इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दही-हाडी फोड़ी और माखन मिसरी का प्रसाद बांटा गया। कार्यक्रम की शुरुआत में केंद्रीय मंत्री ने भगवान श्री कृष्ण के जीवन चरित्र से शिक्षा लेने के साथ ही उनके बताए मार्ग पर चलने का आव्हान किया।

गोपाल के श्रृंगार की रही धूम, भोपाल समेत देशभर में 35 हजार करोड़ रुपए से अधिक का व्यापार

20 करोड़ रुपए की बिकी दूध, दही माखन, मिठाई और पूजन सामग्री

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उत्सव से राजधानी भोपाल सहित देशभर के बाजार गुलजार रहे हैं। बाजारों में जन्माष्टमी को लेकर खरीदारी का उत्साह चरम पर नजर आया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव से जुड़ी सामग्री की मांग बढ़ने से कारोबारियों के चेहरे भी खिले हुए हैं। व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों और बाजार विशेषज्ञों के अनुमान के मुताबिक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर देशभर के बाजारों में 35 हजार करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार हुआ। जबकि राजधानी भोपाल में पूजा सामग्री, मिठाई, फल और विशेष रूप से डेयरी उत्पादों (दूध, दही, माखन, पनीर) का 20 करोड़ रुपए से अधिक के व्यापार का अनुमान है।

माखन-मिश्री, दही और पनीर की बढ़ी बिक्री

जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण के प्रिय माने जाने वाले माखन-मिश्री और दही की मांग में खासा इजाफा देखने को मिला। घरों और मंदिरों में भोग लगाने के लिए लोग दूध और डेयरी उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं। पनीर समेत अन्य डेयरी उत्पादों की बिक्री में भी तेजी रही। जन्माष्टमी के बाजार में लड्डू गोपाल की मूर्तियां, मुकुट, बांसुरी, मोरपंख और विशेष पोशाकें लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। दुकानों पर कान्हा की पोशाकों की अलग-अलग डिजाइन और रंगों में बड़ी रेंज उपलब्ध रही। बच्चों के लिए कृष्ण की पोशाकों की भी अच्छी मांग रही।

फूल-मालाएं, सजावटी सामान और कान्हा के झूलों की हुई खरीदारी

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के लिए घरों और मंदिरों की सजावट को लेकर भी लोगों ने जमकर खरीदारी की। पूजन सामग्री, फूल-मालाएं, सजावटी सामान और कान्हा के झूलों की मांग बढ़ी। आकर्षक डिजाइन वाले झूले और पालने लोगों की पसंद बने। उल्लेखनीय है कि जन्माष्टमी के चलते शहर के प्रमुख बाजारों में दिनभर चहल-पहल बनी रही। बाजारों में धार्मिक आस्था के साथ खरीदारी का उत्साह भी दिखाई दिया। बाजारों की यह रौनक त्योहारी सीजन की मजबूत शुरुआत का संकेत दे रही है। भोपाल से लेकर देश के अलग-अलग शहरों तक 'कान्हा के जन्म' की खुशी ने बाजारों में भी कारोबार का उत्सव खड़ा कर दिया है।

सिंघाड़े का आटा, मखाना, राजगीरा, सेंधा नमक और सूखे मेवे की खरीदारी

जन्माष्टमी पर व्रत रखने वाले श्रद्धालु साबूदाना, सिंघाड़े का आटा, मखाना, राजगीरा, सेंधा नमक और सूखे मेवे की खरीदारी की। वहीं पूजा के लिए फूल, माला, तुलसी, पंचामृत सामग्री, धूप, दीप, कपूर और अन्य पूजन सामग्री की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही। वहीं फलाहार के लिए केला, सेब, अंगूर, अनार सहित अन्य फलों की खरीदारी हुई है। पूजा सामग्री की दुकानों पर रोली, अक्षत, चंदन, धूप, अगरबत्ती, कपूर, कलावा, गंगाजल, फूल-माला, तुलसी दल और पंचामृत की सामग्री की बिक्री हुई है।

भोजपाल महोत्सव मेला के तत्वावधान में मना उत्सव

भोपाल. भोजपाल महोत्सव मेला समिति के तत्वावधान में बरखेड़ा स्थित भेल यादव सभा श्री कृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शाम 7 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया। मथुरा वृंदावन से आए कलाकारों ने रासलीला और फूलों की होली का मंचन किया। भगवान के दर्शन करने मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं को साबूदाने की खिचड़ी और खीर की महाप्रसादी वितरित की गई। कार्यक्रम में भेल

यादव सभा श्रीकृष्ण मंदिर के सचिव सुनील यादव, भोजपाल महोत्सव मेला समिति की टीम सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

राधा-कृष्ण के रूप में नन्हे-मुन्नों ने बिखेरी भक्ति की अद्भुत छटा

भोपाल। जन्माष्टमी के पावन पर्व के अवसर पर बरखेड़ीकलां स्थित शारदा विद्या मंदिर विद्यालय परिसर में फैंसी ड्रेस कार्यक्रम का भव्य एवं मनमोहक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा, कृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़े विभिन्न स्वरूपों में सजे-धजे नजर आए। बच्चों की आकर्षक वेशभूषा और मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके बाल स्वरूप तथा बाल लीलाओं से जुड़ी रोचक एवं ज्ञानवर्धक जानकारियाँ साझा कीं। बच्चों ने कृष्ण जी से जुड़ी चीजों जैसे गायों की रक्षा, मटकी फोड़,

माखन मिश्री, बांसुरी, मोरपंख, गोवर्धन पर्वत आदि पर जानकारी दी। किसी ने नटखट कान्हा का रूप धारण कर माखन चोरी की लीला प्रस्तुत की, तो किसी ने राधा के रूप में अपनी सुंदर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों को राधा-कृष्ण के रूप में सजा-धजा देखकर और उनकी आत्मविश्वास से भरपूर प्रस्तुतियों से विद्यालय परिसर कृष्णमय हो उठा।

एक लाख की इनामी मटकी फोड़ प्रतियोगिता कल

भोपाल। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर पिछले दो दशकों से आयोजित मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी एवं लोकप्रिय मटकी फोड़ प्रतियोगिता इस कल शाम 7 बजे से करोंद स्थित भगत सिंह चौराहा, भोपाल में आयोजित की जाएगी। मटकी फोड़ आयोजन समिति के प्रमुख, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी सके मुताबिक प्रतियोगिता में विजेता गोविंदा टीम को एक लाख रुपये नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।उन्होंने बताया कि यह आयोजन पिछले 20 वर्षों से निरंतर कराया जा रहा है और आज यह मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी जन्माष्टमी मटकी फोड़ प्रतियोगिता के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। इस मंच पर पूर्व वर्षों में भी फिल्म एवं मनोरंजन जगत की कई प्रसिद्ध हस्तियां अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी हैं। इस वर्ष आयोजन में बॉलीवुड (केरेला फाइल्स कीअभिनेत्री) अदा शर्मा, अभिनेता चंकी पांडे, अभिनेता राजपाल यादव तथा सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रमोद त्रिपाठी अपनी विशेष प्रस्तुतियां देंगे।

खाद्य सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त

मिलावटखोरों पर पैनी नजर होगी सख्त कार्रवाई

अंसार उल हसन सिद्दीकी, भोपाल

आने वाले नवरात्र, दशहरा और दीपावली जैसे बड़े त्योहारों और धार्मिक व्रत-पूजन के सीजन को देखते हुए भोपाल जिला प्रशासन ने मिलावटखोरों के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। शहर में नकली दूध, मावा, पनीर और मिठाइयों की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नॉर्थ) सुमित पांडे ने एक विशेष ज्वाइंट टास्क फोर्स का गठन किया है, जो अब शहर में अचानक छापा मारकर मौके पर ही सख्त कार्रवाई करेगी। एडीएम सुमित पांडे को पिछले कई दिनों से लगातार गुप्त शिकायतें मिल रही थीं कि त्योहारों का फायदा उठाकर शहर में नकली और जहरीले खाद्य पदार्थों का एक बड़ा संगठित कारोबार चल रहा है। शिकायतों के अनुसार नकली दूध, नकली मावा, नकली पनीर, नकली दही और नकली मठा तो आम है, इसके अलावा मिठाइयों में जानलेवा मिलावट की जा रही है। जानकारी के मुताबिक मिठाइयों में महंगी शक्कर की जगह सस्ती और कैंसर कारक सैकरीन का उपयोग किया जा रहा है। खटाई के लिए इमली की जगह तेजाब (एसिड) का इस्तेमाल हो रहा है। समोसे और अन्य व्यंजनों के साथ दी जाने वाली हरी चटनी में हरा रंग और तेज खुशबू के लिए परफ्यूम मिलाया जा रहा है। इतना ही नहीं, बेसन, मसालों और तेल में भी बड़े पैमाने पर मिलावट की शिकायतें हैं। इस पूरे खेल में एक और बड़ा सवाल स्थानीय पुलिस थानों की भूमिका पर उठ रहा है।

पीड़ितों का आरोप है कि जब वे इसकी शिकायत लेकर थाने जाते हैं तो पुलिस इसे खाद्य विभाग का मामला बताकर शिकायत लेने से ही इनकार कर देती है। इस वजह से मिलावटखोरों के हौसले और बुलंद हो गए हैं।

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट सुमित पांडे ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने एक विशेष टीम का गठन किया है जिसमें एसडीएम, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी, तहसीलदार और भारी पुलिस बल को शामिल किया गया है। इसके साथ ही प्रशासन के खुफिया तंत्र को भी सतर्क कर दिया गया है ताकि मिलावटखोरों की हर हरकत पर नजर रखी जा सके। सुमित पांडे ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उनके सीधे निर्देशन में यह टीम शहर के सभी एंट्री नाकों, ट्रांसपोर्ट नगर, कोल्ड स्टोरेज, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और मंडियों पर पैनी नजर रखेगी। बाहर से आने वाले दूध के टैंकरों, मावे के वाहनों की सघन जांच की जाएगी। पकड़े जाने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा और मौके पर ही एफआईआर, सीलिंग और लाइसेंस निरस्त करने जैसी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार त्योहारों के समय सबसे ज्यादा मिलावटखोरी की वारदातें पुराने भोपाल के थाना मंगलवारा और हनुमानगंज क्षेत्र में देखने को मिलती हैं, जहां नकली मावा और पनीर बनाने की फैक्ट्रियां चलती हैं। वहीं सबसे अधिक नकली और मिलावटी मिठाइयों की खपत थाना गौतम नगर क्षेत्र में थाने के आसपास स्थित बड़े-बड़े मिष्ठान भंडारों में होती है।

सदस्यता अभियान को लेकर बैठक

भोपाल। सर्व विश्वकर्मा एकता संकल्प फाउंडेशन के द्वार चलाए जा रहे है जातिगत जनगणना सदस्यता अभियान की दिल्ली से हुए। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल पांचाल ने संगठन के कार्यों सराहना की और सयोग देने की बात कही। सर्व विश्वकर्मा एकता संकल्प फाउंडेशन के अध्यक्ष राधेश्याम विश्वकमा के मुताबिक इस अवसर पर बीजेपी विधायक करतार सिंह वेद प्रकाश शर्मा पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य कमल किशोर पांचाल विधायक प्रीतिनिधि जगवीर विश्वकर्मा व्यवसायी अरुण विश्वकर्मा सहित पदाधिकारियों के साथ अभियान को आगे बढाने का निर्णय लिया गया।

ग्राम रोजगार सहायकों के एग्रीमेंट में बदलाव

सच संवाददाता ।। भोपाल

प्रदेश की 23 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में काम कर रहे ग्राम रोजगार सहायकों (जीआरएस) के संविदा एग्रीमेंट को लेकर मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद ने व्यवस्था में बदलाव किया है। अब जिन ग्राम पंचायतों में पंचायत सचिव का पद रिक्त है, सचिव पदस्थ नहीं हैं या ग्राम रोजगार सहायक को ही सचिव का प्रभार मिला हुआ है, वहां जीआरएस का एग्रीमेंट जनपद पंचायत स्तर पर पदस्थ अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा के साथ किया जाएगा। परिषद के सीईओ ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इसमें सभी जिलों के कलेक्टर, जिला कार्यक्रम समन्वयक और मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को नए प्रावधान का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। सामान्य स्थिति में ग्राम रोजगार सहायक का संविदा अनुबंध ग्राम पंचायत सचिव और जीआरएस के बीच होता है। लेकिन कई पंचायतों में सचिव का पद रिक्त होने या सचिव के उपलब्ध नहीं होने के कारण जीआरएस को ही सचिव का प्रभार दिया गया है। ऐसी स्थिति में वही कर्मचारी अपने ही साथ संविदा अनुबंध करने की प्रक्रिया में आ रहे थे। परिषद के संज्ञान में ऐसी शिकायतें आने के बाद इस विसंगति को दूर करने के लिए नया प्रावधान किया गया है। परिषद ने माना कि स्वयं के साथ संविदा अनुबंध करना प्रशासनिक और विधिक दृष्टि से उचित नहीं है। नए प्रावधान के मुताबिक पंचायत में सचिव उपलब्ध होने पर एग्रीमेंट पहले की तरह सचिव और ग्राम रोजगार सहायक के बीच ही होगा। वहीं सचिव का पद रिक्त होने, सचिव पदस्थ नहीं होने या जीआरएस के ही सचिव के प्रभार में होने पर अनुबंध जनपद पंचायत के संबंधित अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा द्वारा किया जाएगा। इस व्यवस्था से सचिव विहीन पंचायतों में ग्राम रोजगार सहायकों के नए अनुबंध और नवीनीकरण की प्रक्रिया आसान होगी, साथ ही खुद के साथ एग्रीमेंट करने की स्थिति भी खत्म हो जाएगी।

लोक अदालत 12 को, 62 खण्डपीठों में आपसी रजामंदी से निपटेंगे मामले

सच संवाददाता ।। भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आगामी 12 सितंबर को जिला न्यायालय भोपाल एवं तहसील न्यायालय बैरसिया में वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। पक्षकारों को सुलभ, त्वरित एवं सर्वसमावेशी न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला न्यायालय भोपाल, तहसील न्यायालय बैरसिया, कुटुम्ब न्यायालय, श्रम न्यायालय तथा रेरा सहित संपूर्ण जिले में लगभग 62 समर्पित खण्डपीठों का गठन किया जा रहा है। वर्तमान समय में भोपाल जिले के अंतर्गत विभिन्न न्यायालयों में समस्त श्रेणियों के कुल 1,64,821 मामले विचाराधीन हैं। इन प्रकरणों में से आपसी सहमति और सौहार्द के माध्यम से निराकरण के लिए 10,757 लंबित राजीनामा योग्य मामलों को चिह्नित कर लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। इनमें प्रमुख रूप से आपराधिक शमनीय प्रकरण, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम (चेक बाउंस), मोटर दुर्घटना दावा (क्लेम) प्रकरण, विद्युत अधिनियम, पारिवारिक वैवाहिक विवाद एवं विभिन्न सिविल मामले शामिल हैं। इसके साथ ही, विवादों के न्यायालयीन दौर में पहुंचने से पूर्व ही उनके समाधान के लिए 80,500 प्री-लिटिगेशन प्रकरण भी रखे गए हैं, जिनमें मुख्य रूप से विद्युत अधिनियम, बैंक रिकवरी, जलकर, बी.एस.एन.एल. बकाये तथा यातायात ई-चालान से संबंधित विषय समाविष्ट हैं। जनसामान्य को राहत पहुँचाने की दिशा में राज्य शासन के निर्देशों का समुचित अनुपालन करते हुए इस बार भी विद्युत विभाग एवं नगर निगम द्वारा लोक अदालत के माध्यम से निराकृत होने वाले मामलों में विशेष छूट एवं रियायत प्रदान की जाएगी। इस जनहितैषी पहल से नागरिकों को अपने बकाए प्रभारों के सुगम निपटारे का सुअवसर प्राप्त होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल के सचिव श्री सुनीत अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से न्यायालयीन प्रकरणों का सफलता पूर्वक निस्तारण होने पर शासन द्वारा नियमानुसार संपूर्ण कोर्ट फीस की वापसी की जाती है। इसके अतिरिक्त, उभयपक्षों के मध्य पारस्परिक सहमति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुकदमों का अंत होने से पक्षकारों के बहुमूल्य समय तथा धन दोनों की सार्थक बचत होती है।

पक्षपातपूर्ण सीलिंग कार्रवाई की शिकायत पहुँची सुप्रीम कोर्ट

भोपाल। अरेरा कॉलोनी में अवैध निर्माण एवं आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के विरुद्ध लंबे समय से संघर्ष कर रहे रहवासियों ने नगर निगम भोपाल की सीलिंग की कार्यवाही को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं।

रहवासियों का आरोप है कि सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अरेरा कॉलोनी में चिन्हित अवैध मॉल एवं बड़े व्यावसायिक निर्माणों पर अब तक प्रभावी सीलिंग एवं तालाबंधी की कार्रवाई नहीं की गई है। याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी ने बताया कि रहवासियों द्वारा जिन अवैध मॉल एवं व्यावसायिक निर्माणों के संबंध में नगर निगम को लगातार शिकायतें एवं दस्तावेज उपलब्ध कराए गए थे, उन पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। वहीं दूसरी ओर छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के विरुद्ध नगर निगम द्वारा कार्रवाई की जा रही है इस पक्षपातपूर्ण कार्यवाही से रहवासियों में भारी आक्रोश है। त्रिपाठी ने कहा कि इसी कथित भेदभावपूर्ण एवं पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के संबंध में रहवासी सर्वोच्च न्यायालय पहुँचे हैं और पूरे मामले से संबंधित दस्तावेज न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए हैं।

एम्स भोपाल में नेत्रदान जागरूकता के लिए निकली पदयात्रा

सच संवाददाता ।। भोपाल

एम्स भोपाल के आई बैंक एवं नेत्र रोग विभाग द्वारा 25 अगस्त से 8 सितंबर 2026 तक 41वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एम्स भोपाल में पदयात्रा आयोजित की गई। पदयात्रा चिकित्सा महाविद्यालय भवन से गेट नंबर 3 तक निकाली गई, जिसमें चिकित्सकों, फैकल्टी सदस्यों, नर्सिंग अधिकारियों, कर्मचारियों तथा नर्सिंग और एमबीबीएस विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पोस्टरों, बैनरों और जागरूकता संदेशों के माध्यम से आमजन एवं मरीजों के परिजनों को मृत्यु के बाद नेत्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के दौरान एम्स भोपाल में विभिन्न जागरूकता एवं शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग नेत्रदान के महत्व को समझें और इस नेक कार्य के

लिए आगे आएं।

नेत्रदान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को मृत्यु के बाद नेत्रदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से एम्स भोपाल के आई बैंक एवं नेत्र रोग विभाग द्वारा 41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। यह पखवाड़ा 25 अगस्त से 8 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ) नरेन्द्र कोतवाल (रि) के नेतृत्व में किया जा रहा है। पदयात्रा के दौरान लोगों को बताया गया कि मृत्यु के बाद किया गया नेत्रदान किसी व्यक्ति के जीवन में रोशनी लाने में मदद कर सकता है। प्रतिभागियों ने लोगों से नेत्रदान का महत्व समझने और इस नेक कार्य के लिए आगे आने की अपील की। इस अवसर पर आई बैंक एवं नेत्र रोग विभाग, एम्स भोपाल की टीम ने आमजन से नेत्रदान का संकल्प लेने का आग्रह किया। टीम ने लोगों से यह भी अपील की कि वे नेत्रदान के संदेश को केवल अपने तक सीमित न रखें, बल्कि अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों तक भी पहुंचाएं।

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के दौरान एम्स भोपाल द्वारा विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रम, शैक्षणिक गतिविधियां और नेत्रदान संबंधी जागरूकता अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य समाज में नेत्रदान की आवश्यकता और महत्व के बारे में जानकारी बढ़ाना तथा अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करना है।

एम्स भोपाल की ओर से आमजन से अपील की गई है कि वे नेत्रदान का संकल्प लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। मृत्यु के बाद किया गया नेत्रदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए नई रोशनी और बेहतर जीवन की उम्मीद बन सकता है।

संपादकीय

तुरत-फुरत का कारोबार

हाल के वर्षों में देश में खरीदारी का परिदृश्य, ई-कॉमर्स के चलते पूरी तरह बदल गया है। कह सकते हैं कि इसकी अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण दौर में पहुंच रही है। जिसकी पुष्टि हाल ही में सामने आई शोध परामर्शदात्री 'इन्फिसम' की नवीनतम रिपोर्ट में उजागर होती है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में इस क्षेत्र में वर्ष 2024 में होने वाले 125 अरब डॉलर के कारोबार के मुकाबले साल 2030 तक इसके लगभग तीन गुना यानी 345 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। जो ई-कॉमर्स के क्षेत्र में आ रहे बदलावकारी परिदृश्य को ही दर्शाता है। निस्संदेह, इस कारोबार विस्तार में बदलाव का यह मापदंड प्रभावशाली है, लेकिन इसकी रफ्तार के साथ इसका लंबे समय तक टिके रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसमें दो राय नहीं कि देश में क्विक कॉमर्स ग्रोथ के एक महत्वपूर्ण इंजन के तौर पर उभर रहा है। आज स्थिति यह है कि इसके नेटवर्क देश के 475 से अधिक शहरों तक पहुंच चुके हैं। जो यह दर्शाता है कि दैनिक उपभोग की वस्तुओं की तेजी से डिलीवरी अब महज बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं रह गई है। दरअसल, यह बदलाव जनसंख्या के स्वरूप के अलावा भौगोलिक स्तर पर भी हो रहा है। नई पीढ़ी इस तुरत-फुरत खरीदारी की मुरीद है। सर्वे बताते हैं कि देश में ऑनलाइन खरीदारों में वह पीढ़ी काफी आगे है, जिसे आज जेन-ज़ी के नाम से संबोधित किया जाता है। उसके पास सामान का ऑर्डर करने और उसे पाने में इंतजार करने का समय नहीं है। बताया जाता है कि ऑनलाइन खरीदारी में जेन-ज़ी की भागीदारी लगभग एक तिहाई है। ऐसे में भरोसा किया जा रहा है कि इस दशक के अंत तक वे डिजिटल खर्च करने वाले सबसे बड़े ग्रुप बन जाएंगे। बाजार के जानकार मान रहे हैं कि ई-कॉमर्स की अगली लहर किसी सीमा तक छोटे शहरों, स्थानीय पसंद, स्थानीय भाषाओं में कंटेंट और सस्ते लॉजिस्टिक पर भी निर्भर करेगी। हालांकि, परंपरागत बाजार इसे अपने अस्तित्व के लिये बड़ी चुनौती मान रहा है। नई पीढ़ी के ग्राहक मोबाइल पर उत्पाद की कीमतें छानकर परंपरागत दुकानदारों से भाव-तौल करने में आगे हैं। उन्हें पता होता है कि किसी उत्पाद की ऑनलाइन कीमत क्या है और दुकान में वह सामान किस भाव मिल रहा है। निस्संदेह, इस ई-कॉमर्स के विस्तार से हमारा परंपरागत बाजार प्रभावित हुआ है। कई मॉलों व परंपरागत बाजारों में पहले जैसी रौनक नहीं रह गई है। लेकिन ई-कॉमर्स का एक लाभ यह भी है कि लोगों को भीड़-भाड़ व ट्रैफिक जाम में फंसने के बजाय आसानी से वक्त-बेवक्त सामान घर पर उपलब्ध हो जाता है। निस्संदेह, ई-कॉमर्स ने बाजार में प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा दिया है। कई ई-कॉमर्स कंपनियां कड़े कंप्टीशन का सामना कर रही हैं। इस बाजार में ब्लिंकइट अब भी सबसे आगे है। इस दौड़ में फिर जेप्टो और स्विगी इंस्टामार्ट भी शामिल हैं। इस ई-कॉमर्स बाजार में पहले से मौजूद रिटेलर्स और आने वाले प्रतियोगी अपने डार्क-स्टोर नेटवर्क को बढ़ा रहे हैं। जिसका मकसद कार्यप्रणाली में तेजी लाकर मुनाफा बढ़ाना है। आने वाले समय में तकनीक इस सेक्टर में बड़े परिवर्तन ला सकती है।

पेशेवर जरूरतों के अनुरूप हों शिक्षक की जिम्मेदारियां

विभिन्न सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों वाले परिवेश में रहने वाले बच्चे आज अनेक प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। अध्यापक बच्चों पर पूरा ध्यान दे पाएं, उन्हें समुचित मार्गदर्शन व परामर्श प्रदान कर सकें और पेशेवराना ढंग से शिक्षण में नवाचारों पर केन्द्रित हो सकें, इसके लिए उन्हें काम करने का माहौल प्रदान करना बहुत जरूरी है। गुरुजनों का सम्मान तभी सुनिश्चित होगा, जब उन्हें फिजूल के कार्यों से मुक्ति मिलेगी और अध्यापक के रूप में काम करने का अवसर मिलेगा। जरूरी है कि चुनावी कार्यों और मिड-डे-मील आदि के लिए के लिए अलग से कर्मचारी नियुक्त किए जाएं। इससे रोजगार का सृजन होगा और अध्यापक अपने मूल काम पर फोकस कर सकेंगे। शिक्षा की गुणवत्ता हमारे देश व समाज की उन्नति का आधार है। यह तभी हो पाएगा जब अध्यापकों को शिक्षण का कार्य करने दिया जाएगा।

शिक्षा की गुणवत्ता देश व समाज की उन्नति का आधार है। यह तभी हो पाएगा जब गुरु का दर्जा प्राप्त अध्यापकों को शिक्षण-कार्य करने के लिए सही वातावरण, समय व सुविधाएं मिलें। गैर-शैक्षणिक कार्यों से निजात मिले। ऐसे में अध्यापक बच्चों को समुचित मार्गदर्शन व परामर्श प्रदान कर सकेंगे और पेशेवराना ढंग से शिक्षण में नवाचारों पर ध्यान केन्द्रित कर सकेंगे। नयी पीढ़ी को शिक्षा व मार्गदर्शन देकर राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला शिक्षक आज व्यवस्था का मोहरा बनकर रह गया है। उसे ऐसे कार्य सौंपे जा रहे हैं, जो उसके मूल दायित्वों और भूमिका से मेल नहीं खाते हैं। एक तरफ जहां बदलते सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में अध्यापक की भूमिका लगातार अधिक चुनौतीपूर्ण होती गई, दूसरी ओर अध्यापन संबंधी कार्यों से हटाकर उसे गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगा दिया गया। इससे शिक्षक की छवि को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कर पाना संभव नहीं।

भारतीय समाज में अध्यापक को गुरु का दर्जा दिया जाता है। लेकिन आज की वास्तविक परिस्थितियों के साथ यह सम्मान मेल नहीं खाता है। धरातल पर आकलन किया जाए तो अध्यापक का दायित्व केवल कोर्स पूरा करवाना नहीं है। वह बच्चों को परीक्षा की वैतरणी पार करवाने वाला एजेंट मात्र भी नहीं है। दरअसल, अपने विषय और उसकी विषय-वस्तु के जानकार से आगे बढ़कर वह बालमन के हर पहलू का विशेषज्ञ होता है। बच्चों के मन-मस्तिष्क में उठने वाली उथल-पुथल को समझने के लिए अपनी पेशेगत दक्षताओं का प्रयोग करता है। बच्चों के ज्ञानात्मक विकास के साथ-साथ भावनात्मक, नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व शारीरिक विकास के लिए मार्ग प्रशस्त करता है।

वह अपनी भूमिका पर खरा उतरे ऐसा वातावरण तैयार करने में सरकारी व्यवस्था का अहम रोल है। यानी इसमें सरकारी नीतियों, शिक्षा विभाग, स्कूल प्रबंधन और सुविधाओं की अहम भूमिका होती है।सरकारी स्कूलों की बात करें तो भले ही अध्यापकों की भूमिका विद्यार्थियों में पढ़ाने की गतिविधियां संचालित करने वाले दक्षतम व्यक्ति की हो लेकिन इससे कहीं ज्यादा उसे शिक्षा के अलावा कई कार्यों को पूरा करवाने वाले सहज उपलब्ध पेशेवर की तरह देखा जा रहा है। मसलन, विभिन्न विभागों के सर्वेक्षण, वोट बनवाने, एसआईआर, जनगणना कार्यों, ऑनलाइन पोर्टलों पर विद्यार्थियों का डाटा अपलोड करने और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए दस्तावेज तैयार करने और सत्यापन आदि कार्यों के लिए अध्यापकों को ही लगाया जाता है। वहीं स्कूल में मिड-डे-मील योजना के लिए सिलेंडर, सब्जियां व अन्य सामग्री खरीदने के साथ-साथ

सप्लाई किए गए सामान का रखरखाव, उसके उपयोग का हिसाब-किताब रखना और विभिन्न प्रकार के रजिस्टर तैयार करना अध्यापकों की जिम्मेदारी है। अध्यापक ही हरेक बच्चे के विभिन्न मदों व फंडों के अनुसार शुल्क प्राप्त करते हैं और उन्हें जमा करवाते हैं।

गैर-शैक्षणिक कार्यों में अध्यापकों की ऊर्जा को लगाने के लिए हमारी सरकारी व्यवस्था ही जिम्मेदार है। इससे अध्यापक की पेशेवर दक्षताओं का तो ह्रास हो ही रहा है, साथ ही उसे विभिन्न प्रकार के तनावों से गुजरना पड़ रहा है। मसलन,एसआईआर की प्रक्रिया में लगे अध्यापकों को कई तरह के मानसिक तनावों से गुजरने की बातें सामने आयीं। जाहिर है, बच्चों की शिक्षा पर भी इसका प्रभाव पड़ा होगा। हालांकि इस पर विस्तृत अध्ययन की जरूरत है।

दरअसल, अध्यापक को जब उसके असल काम से हटाकर दूसरे कामों में लगा दिया जाता है, तो यह एक तरह से किसी अन्याय से कम नहीं है। बहुत से अध्यापकों का इस तरह के अहसास से गुजरना आम बात है। हमारी व्यवस्था अनेकानेक गैर-शैक्षणिक कार्यों के बोझ में दबाकर अध्यापकों से उनके अहसास को भी छीनने में लगी हुई है।

अतिथि अध्यापक, अनुबंध अध्यापक, एचकेआरएन के तहत लगे अध्यापकों और एनएसक्यूएफ के अध्यापकों के वेतन व सुविधाओं में जमीन-आसमान का अंतर है। हमारे नीति-नियंता अध्यापकों को गुरु जी कहते हुए तो मिल जाते हैं, लेकिन उन्हें उचित सम्मान प्रदान करने के मामले में उनके वास्तविक प्रयास दिखाई नहीं देते हैं। लेकिन उन्हीं गुरुजनों को पुरानी पेंशन से वंचित कर दिया है। जब भी अध्यापक इसकी मांग करते हैं तो कार्पोरेट घरानों के करोड़ों-अरबों रुपये के ऋण माफ करने वाली सरकारें इसे बोझ बताती हैं।

विभिन्न सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों वाले परिवेश में रहने वाले बच्चे आज अनेक प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। अध्यापक बच्चों पर पूरा ध्यान दे पाएं, उन्हें समुचित मार्गदर्शन व परामर्श प्रदान कर सकें और पेशेवराना ढंग से शिक्षण में नवाचारों पर केन्द्रित हो सकें, इसके लिए उन्हें काम करने का माहौल प्रदान करना बहुत जरूरी है। गुरुजनों का सम्मान तभी सुनिश्चित होगा, जब उन्हें फिजूल के कार्यों से मुक्ति मिलेगी और अध्यापक के रूप में काम करने का अवसर मिलेगा। जरूरी है कि चुनावी कार्यों और मिड-डे-मील आदि के लिए के लिए अलग से कर्मचारी नियुक्त किए जाएं। इससे रोजगार का सृजन होगा और अध्यापक अपने मूल काम पर फोकस कर सकेंगे। शिक्षा की गुणवत्ता हमारे देश व समाज की उन्नति का आधार है। यह तभी हो पाएगा जब अध्यापकों को शिक्षण का कार्य करने दिया जाएगा।

-विकसित भारत का सपना और प्राथमिक शिक्षा की हकीकत

विद्यालय को केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि लोकतंत्र का सबसे जीवंत प्रवेश-द्वार भी माना जाता है। देश ने पिछले चार दशक में स्कूली शिक्षा के विस्तार की एक लंबी यात्रा तय की है। गांव-गांव स्कूल पहुंचे, नामांकन बढ़ा, बालिका शिक्षा में सुधार हुआ, बिजली, शौचालय, कंप्यूटर और स्मार्ट कक्षाओं जैसी सुविधाएं बढ़ीं। मध्याह्न भोजन, निशुल्क पाठ्यपुस्तकें, छात्रवृत्तियां, स्कूल परिवहन, डिजिटल संसाधन और समग्र शिक्षा जैसी योजनाओं ने शिक्षा के विस्तार को गति दी है। मगर इस पूरी कवायद में एक गहरा अभाव आज भी दिखाई देता है और वह है शिक्षा की गुणवत्ता।इस संदर्भ में देखें तो वर्तमान में देश में लगभग 14.7 लाख सरकारी स्कूल, 24 करोड़ से अधिक विद्यार्थी और करीब एक करोड़ शिक्षक हैं। आकार के लिहाज से यह दुनिया की सबसे बड़ी स्कूली शिक्षा व्यवस्थाओं में से एक है। मगर इतनी विशाल व्यवस्था का वास्तविक मूल्यांकन भवनों, योजनाओं और नामांकन से नहीं, बल्कि इस कसौटी पर होना चाहिए कि क्या बच्चों को वास्तव में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल पा रही है? नीति आयोग की ओर से हाल में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने स्कूलों तक पहुंच की लड़ाई काफी हद तक जीत ली है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की लड़ाई अब भी अधूरी है।

रिपोर्ट से पता चलता है कि देश में आज भी एक लाख से अधिक विद्यालय ऐसे हैं, जहां केवल एक शिक्षक है।

थाली में हो पोषक आहार

श्रीमती उषा भरत चतुर्वेदी

मिलेट ईयर 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट ईयर घोषित किया गया है। और इसकी आवश्यकता भी थी। मिलेट ईयर अर्थात मोटा अनाज वर्ष अब समापन की ओर है, वर्ष तो समाप्त हो जाएगा, एक प्रश्न उठता है क्या? इसके साथ इसकी आवश्यकता भी समाप्त हो जाएगी,। यह एक समसामयिक समस्या एवं अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है जो एक स्वस्थ मनुष्य को लंबे समय तक स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है। वर्तमान गढोभूत से अनुभव लो तथा भविष्य की योजनाएं बनाओ यह कथन पूर्णता इस अभियान पर सटीक बैठता है। भारतीय जीवन की पुरातन शैली पूर्णत: वैज्ञानिक थी। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हमने बहुत कुछ गवांवाँया।उसमें एक स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण विचार भी था।हम अपनी पुरातन जीवन शैली पूर्ण तरह बिसरा बैठे, खोबैठे ,भूल गए कुछ भी समझ ले। वर्तमान समय में हमारे भोजन की थाली से पोषक तत्व तिरोहित हो गए रह गए हैं वर्तमान फूड पिज़्ज़ा बर्गर जिन्हे हमारे घर के बच्चे बहुत पसंद करते साथ में बड़े भी। मैसेज कर कॉलेज गोइंग किशोर और किशोरिया का एक मनपसंद भोजन है। भूख लगे 2 मिनट में चाऊमीन तैयार लेकिन हमें यह नहीं मालूम यह चाऊमीन हमारी आंतों के अंदर जमकर हमारी पाचन शक्ति को कमजोर करती है। यह ठीक है समय के साथ चलना पड़ेगा लेकिन साथ में हमें विचार भी करना पड़ेगा की इसका हम कितना उपयोग करें। आज भी ग्रामीण भोजन की थाली में बहुत से पोषक तत्व अभी भी है लेकिन गांव में भी आधुनिकता की दौड़ पहुंच गयी। अब खान-पान के मामले में वह भी आधुनिकता की ओर चल पड़े हैं। अर्थ युग में सब कुछ बदल दिए हमारी जीवन शैली हमारा आहार हमारा आचरण हमारी सोच हमारा रहन-सहन सभी में तेजी से परिवर्तन आया है। पैसा कमाने की लालच में हमारे किसान भाइयों ने भी मोटा पर अनाज उगना बंद कर दिया

उन्हें भी चाहिए भरपूर पैसे अपनी फसल के।

समय बदला सभी बदले हरित क्रांति ए अपने साथ में गेहूं और चावल लेकर आयी। क्रांति ने संपूर्ण रूप दिखाया और अधिकतर किसान गेहूं और धान का उत्पादन करने लगे। जो उगेगा वही मिलेगा लोग वहीं खाएंगे क्योंकि हर स्थान पर माँग और पूर्ति का सिद्धांत लागू होता है। मोटा अनाज गरीबों का अनाज कहलाने लगा। कम पानी ,कम लागत में उगने वाला मोटा अनाज अकाल अनाज कहलमें लगा। जबकि इन अनाजों की विशेषता है यह कम लागत में ज्यादा उत्पादित होते हैं।

मोटा अनाज स्वास्थ्य का खजाना

इश्क खजाने में आते हैं ज्वार बाजरा ,मक्का ,राजी ,कोदो कुटकी,कोणी, हरि कांगड़ी समा का चावल,जौ ,मक्का। यह इन अनाजों का केवल आता ही नहीं बनता आजकल तो बिस्कुट टोस्ट तथा उबालकर नाश्ते के लिए भी प्रयोग किया जाता है।

स्वास्थ्य का खजाना क्यों

उपरोक्त मोटे अनाजों की खेती भारत में सबसे अधिक एवं अफ्रीका तथा अन्य देशों में भी इनकी फसले होती हैँ।

बाजरा: भारत उपमहाद्वीप की अतिरिक्त अफ्रीका में बाजरे की खेती होतीरूहै। इसकी तासीर गर्म होती है इसलिए इसका सेवन सर्दियों में किया जाता है यह शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है जो की सर्दी के मौसम में बहुत आवश्यक होती।।. इसका प्रयोग चपाती पराठा पुरी के अतिरिक्त विभिन्न व्यंजनों में भी किया जाता है। गांव में अभी इसका प्रयोग ज्यादा होता है जो बाजरे के गुना को जानते हैं उन्होंने भी बाजार खाना प्रारंभ कर दिया। बाजरे की खिचड़ी बाजरे का भात बाजरे के चूरमे के लड्डू तिल ग्राम डालकर बाजरे की रोटी आदि बनाकर इसका प्रयोग किया जाता है।

100 ग्राम बाजरे में,11;6,प्रोटीन
कार्बोहाइट ।। ।।।,67;5
कैरोटीन 132 मिलीग्रा.

विटामिन बी6, विटामिन बी3 विटामिन बी2 के साथ कैल्शियम जिंक आयरन सभी कुछ प्राकृतिक रूप से मिलता है। बाजरे के पाचन में 6 से 7 घंटे लगते जिसके कारण व्यक्ति का वजन भी काम होता है। शर्करा बहुत कम होती तथा फाइबर या रेशा अधिक होता है जो मधुमेह के रोगियों के लिए लाभदायक है। इसके आटे से बिस्किट केक पापड़ सिमई बनाई जा सकती है।

- **ज्वार** : भारत दुनिया का सबसे बड़ा ज्वार का उत्पादक वाला क्षेत्र है यह घास प्रजाति के पौधे कहलातेहैं। यह भी रेशेदार अनाज की श्रेणी में आता है एवं पाचक है अघुलनशील आहार का अनुपात अधिक होता है। मधुमेह में बहुत अधिक लाभदायक है। मधुमेह के रोगियों के लिए आजकल इसके बिस्किट भी बाजार में आ गए हैं।
- **कुटकी:** कुटकी आयरन का एक बहुत बड़ा स्रोत है। कैंसर तथा अल्सर का प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने वाला गैस्ट्रो सुरक्षात्मक ,कोलेस्ट्रॉल कम करने वाला है।
- **रागी:** राजी में फाइबर या रेशोकी मात्रा अधिक होती है टैनिन की मात्रा अधिक होती। रागी का आता भी बनाया जा सकता है तथा सबूत भी पका कर खाया जा सकता है सबसे अधिक कैल्शियम रागी के अंदर होता है। 100 ग्राम राजी में 300 से 350 ग्राम तक कैल्शियम होता है।
- **गुण सम्पन्नता :** मोटे अनाज अकाल के अनाज कहे जाते हैं इसके पीछे का कारण इन अनाजों की उत्पत्ति में में पानी कम लगता है । इसलिए इन्हें. काल का अनाज कहा जाता है।
- मानव शरीर को पूरी तरह से स्वस्थ रखने के लिए सारे तत्व इन अनाजों में उपस्थित रहते हैं।
- प्राकृतिक रूप से विटामिन प्राप्त होते हैं।
- एक विशेष बात तथा महत्वपूर्ण बात यह होती है यह फैसले कार्बन डाई ऑक्सीजन ग्रहण करती हैं तथा ऑक्सीजन को छोड़ती हैं। रात के समय भी यह ऑक्सीजन को छोड़ती है।
- खाद की बहुत कम आवश्यकता होती है।
- यह सभी तरह की जलवायु में उत्पादित हो जाते हैं ठंडे प्रदेश तथा गर्म प्रदेश दोनों में इनका उत्पादन होता है।
- इन अनाजों में संघनित टैनिन होता है। जो इन्हें खराब होने से बचाता है तथा उगाने में सहायक होता है।
- यह फाइबर के स्रोत होते हैं तथा शर्करा बहुत कम होती है।
- में अनाजों की फसल उगाने में लागत बहुत कम लगती है तथा उत्पादन लागत से बहुत अधिक होता है।
- एंटी ऑक्साइड होता है जो कोलेस्ट्रॉल कम करता है हृदय रोग से बचातैहै।
- पाचन में अधिक समय लगता है जिससे भूख कम लगती है मोटे व्यक्ति को का यह वजन कम कर सकते हैं।
- मधुमेह कैंसर थायराइड अल्सर प्रतिरोधी क्षमता होती है पेट की बीमारी से छुटकारा दिलाते हैं।

प्रयोग , एक ही अनाज का प्रयोग निरंतर नहीं करना चाहिए। कुटकी कोदो ज्वार रागी दो-दो दिन के बाद प्रयोग करना चाहिए।

अर्थात बदल बदल कर खाना चाहिए। 20 दिन के अंदर आप सोए अपने शरीर में अंतर महसूस करेंगे आपके शरीर में स्फूर्ति तथा ताजगी महसूस करेंगे। खायें मोटा अनाज थाली में रहे पोषक आहार।।

आइआइटी संस्थानों में क्यों सुसाइड कर रहे हैं होनहार

देश के प्रतिष्ठित आईआईटी व आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मामलों की झड़ी लगी है।?एक रिपोर्ट के अनुसार देशभर के आईआईटी में पांच वर्षों में 70 होनहारों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जबकि जुलाई से शुरू नए सत्र में अब तक आईआईटी में तीन व आईआईएम में एक सुसाइड की वारदात सामने आ चुकी हैं। रिपोर्ट बताती है कि आईआईएससी बंगलूरू में भी 15 दिन में दो छात्रों ने खुदकशी की है। आपको बता दें कि भारत के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में छात्रों द्वारा आत्महत्या के बढ़ते मामले एक बेहद गंभीर और संवेदनशील चिंता का विषय बन चुके हैं। हाल ही में, 22 अगस्त 2026 को आईआईटी दिल्ली के एमएससी भौतिकी के 31 वर्षीय छात्र ऋषिकेश कुमार ने परिसर की एक इमारत से कूदकर अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद संस्थान में छात्रों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।यह स्थिति केवल एक संस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के कई शीर्ष इंजीनियरिंग परिसरों में मानसिक तनाव और शैक्षणिक दबाव की गहरी समस्याओं को उजागर करती है।हालिया प्रमुख घटनाएं और आंकड़ेआईआईटी दिल्ली ऋषिकेश कुमार की मृत्यु के बाद, छात्रों ने न्याय की मांग को लेकर फ्लैश मार्च निकाला और कक्षाओं का बहिष्कार किया। छात्रों का आरोप है कि ऋषिकेश मानसिक तनाव से गुजर रहे थे और उन्हें प्रशासन से आवश्यक सहयोग व हॉस्टल सुविधा नहीं मिली। पिछले 30 महीनों में इस संस्थान में यह आठवीं आत्महत्या है।वर्ष 2026 की शुरुआत (जनवरी) में पीएचडी स्कॉलर राम स्वरूप ईश्वरम ने आत्महत्या कर ली थी, जिससे पहले दो हफ्तों के भीतर ही परिसर में एक और छात्र जय सिंह मीना की मौत हुई थी। इस संस्थान ने भी पिछले दो वर्षों में कई ऐसी दुखद घटनाएं देखी हैं। अगस्त 2026 में आईआईटी खड़गपुर के भी एक छात्र की परिसर में ऊंचाई से गिरने से मौत हुई। रिपोर्टों के अनुसार, देश के शीर्ष 11 आईआईटी में पिछले 5 सालों में 35 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है, जिनमें आईआईटी मद्रास, हैदराबाद और दिल्ली सबसे आगे रहे हैं। विभिन्न जांच समितियों, शिक्षाविदों और स्वयं छात्रों के अनुसार इन आत्महत्याओं के पीछे जो कारण रेखांकित किए गए हैं उनमें शैक्षणिक दबाव कड़ा पाठ्यक्रम, लगातार परीक्षाएं, ग्रेडिंग सिस्टम और असाइनमेंट का अत्यधिक बोझ छात्रों को मानसिक रूप से थका देता है।भविष्य और करियर की चिंता के चलते छात्र छात्राओं में अवसाद घर कर जाता है।

नेपाल के जलवायु मुआवजे से पीछे हटने का कूटनीतिक निहितार्थ

नेपाल में 26 अगस्त 2026 को भोटेकोशी नदी क्षेत्र में आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन ने हिमालयी क्षेत्र की बढ़ती जलवायु संवेदनशीलता को पूरी दुनिया के सामने ला दिया है। ग्लेशियर और बर्फ-चट्टान के ढहने से शुरू हुई इस त्रासदी ने नेपाल-चीन सीमा से लेकर त्रिशूली नदी तक भारी तबाही मचाई है। 3 सितंबर तक नेपाल में 1,252 से अधिक लोगों की मौत और 4,200 से अधिक लोगों के लापता होने की खबर थी। करीब 20 हजार घरों के पुनर्निर्माण की जरूरत बताई गई है। आर्थिक नुकसान का सरकारी प्रारंभिक अनुमान लगभग 2.56 अरब डॉलर है, जबकि इससे पहले पुनर्निर्माण और पुनर्वास की संभावित लागत 4 से 5 अरब डॉलर आंकी गई थी। इस त्रासदी के बीच नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल के शुरुआती बयान ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में हलचल पैदा कर दी थी। उन्होंने कहा था कि आपदा के बाद मिलने वाली सहायता को केवल 'दान' या 'खैरात' के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि जलवायु संकट से सबसे अधिक प्रभावित देशों के प्रति ऐतिहासिक और नैतिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। इस बयान को भारत, चीन और अमेरिका जैसे बड़े उत्सर्जक देशों से जलवायु क्षतिपूर्ति की मांग के रूप में देखा गया। लेकिन अब नेपाल सरकार ने इस रुख को स्पष्ट रूप से संशोधित कर दिया है। 3 सितंबर को विदेश मंत्री खनाल ने कहा कि उन्होंने, विदेश मंत्रालय ने या नेपाल सरकार ने भारत, चीन या अमेरिका से जलवायु संबंधी नुकसान का मुआवजा नहीं मांगा है। चीन के साथ

बातचीत में उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नेपाल किसी विशिष्ट देश से 'जलवायु न्याय मुआवजा मांगने का इरादा नहीं रखता, बल्कि संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा और पेरिस समझौते के तहत अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सहयोग और क्षतिपूर्ति की अपेक्षा करता है।यह बदलाव केवल बयान बदलने की घटना नहीं है। इसके पीछे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक संकेत छिपे हैं।नेपाल का पहला बयान जलवायु न्याय की उस धारणा के करीब था, जिसके अनुसार जिन देशों ने औद्योगिक विकास के दौरान ऐतिहासिक रूप से भारी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन किया, उन्हें जलवायु संकट से होने वाले नुकसान की कीमत में अधिक योगदान करना चाहिए। दूसरी ओर, नेपाल जैसे देशों का वैश्विक उत्सर्जन में योगदान बहुत कम है, लेकिन हिमालयी भौगोलिक स्थिति के कारण वे ग्लेशियर पिघलने, हिमनद झीलों, अचानक बाढ़, भूस्खलन और बदलते वर्षा पैटर्न के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। यहीं से लॉस एंड डेमेज का सवाल उठता है। कॉप 28 में नुकसान और क्षति के लिए एक नए फंड की व्यवस्था को औपचारिक रूप दिया गया था। भारत सरकार के अनुसार उस समय विभिन्न देशों ने लगभग 700 मिलियन डॉलर की शुरुआती प्रतिबद्धताएं की थी। इस फंड का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से विशेष रूप से संवेदनशील विकासशील देशों को आर्थिक और गैर-आर्थिक नुकसान से निपटने में मदद करना है। लेकिन नेपाल का नया रुख इस मुद्दे को द्विपक्षीय आरोप-प्रत्यारोप से निकालकर बहुपक्षीय मंच पर ले जाता है। अब संदेश यह है कि नेपाल भारत, चीन या अमेरिका में से किसी एक को कटघरे में खड़ा करने के बजाय पूरी अंतरराष्ट्रीय जलवायु व्यवस्था से जवाबदेही चाहता है। नेपाल का भारत से विशेष भौगोलिक, सांस्कृतिक और पारिस्थितिक संबंध है। हिमालय, नदियां, मानसून और नदी घाटियां सीमाओं से बंधी नहीं हैं। नेपाल में होने वाली हिमनदीय या पर्वतीय आपदा का असर भारत के बिहार, उत्तर प्रदेश और अन्य हिमालयी एवं गंगा-मैदानी क्षेत्रों तक पहुंच सकता है। इसलिए यदि नेपाल भारत को सीधे मुआवजा देने वाले देश के रूप में प्रस्तुत करता है तो मामला द्विपक्षीय राजनीतिक विवाद में बदल सकता है। इसके विपरीत, यदि वह भारत को हिमालयी पारिस्थितिकी की रक्षा और जलवायु अनुकूलन के साझेदार के रूप में देखता है, तो दोनों देशों के बीच सहयोग की गुंजाइश बढ़ती है।

यूएस ओपनः अल्कारेज ने खिताब की ओर बढ़ाया एक और कदम सबालेंका भी अंतिम-16 में पहुंचीं, अब किससे होगा मुकाबला

न्यूयॉर्क। यूएस ओपन में गत चैंपियन कार्लोस अल्कारेज और दो बार की गत चैंपियन आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम-16 में जगह बना ली। अल्कारेज ने वू यीबिंग को सीधे सेटों में हराया, जबकि सबालेंका ने कामिला राखिमोवा को मात दी। दोनों की नजर अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने पर है। गत चैंपियन कार्लोस अल्कारेज ने चीन के वू यीबिंग को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन के चौथे दौर यानी अंतिम-16 में जगह बना ली। चार महीने के चोटिल रहने के बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी कर रहे अल्कारेज ने वू को 6-3, 6-4, 6-1 से शिकस्त दी। वू ने शुरुआती दौर में आक्रामक बेसलाइन खेल के जरिए अल्कारेज पर दबाव बनाने की कोशिश की।

हालांकि, स्पेनिश खिलाड़ी ने अहम मौकों पर धैर्य बनाए रखा और मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। कुछ मौकों पर अल्कारेज निराश भी नजर आए, लेकिन उन्होंने जल्द ही खुद को संभाला और लगातार तीन सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अल्कारेज ने जीत के बाद अपने खेल को लेकर कहा कि वह सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। चोट के कारण चार महीने तक कोर्ट से बाहर रहने के बाद उनके लिए यह वापसी खास मानी जा रही है।

अब किस अमेरिकी खिलाड़ी से होगा सामना?

अल्कारेज के सामने अगले दौर में 20वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी टॉमी पॉल की चुनौती होगी। पॉल ने 15वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक को पांच सेट तक चले मुकाबले में 6-4, 3-6, 6-7(4/7), 6-1, 6-3 से हराया। इस मुकाबले के बाद अल्कारेज की चुनौती निश्चित तौर पर बढ़ेगी। उन्हें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए घरेलू खिलाड़ी पॉल को हराना होगा।

सबालेंका ने किसके खिलाफ जीत दर्ज की?

महिला वर्ग में दुनिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त और दो बार की गत चैंपियन आर्यना सबालेंका ने भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में कामिला राखिमोवा को 6-3, 6-4 से हराकर लगातार पांचवें साल यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बनाई।

सबालेंका ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने शुरुआती दौर में राखिमोवा की सर्विस तोड़ी और पहले सेट में अपनी सर्विस पर शानदार नियंत्रण बनाए रखा। 35 मिनट में उन्होंने पहला सेट 6-3 से जीत लिया। इस दौरान सबालेंका ने चार ऐस लगाए और एक भी डबल फॉल्ट नहीं किया। अपनी पहली सर्विस पर उन्होंने 81 प्रतिशत अंक जीते और राखिमोवा को एक भी ब्रेक पॉइंट हासिल नहीं करने दिया। दूसरे सेट में भी सबालेंका ने दबाव कायम रखा और 6-4 से सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

राखिमोवा ने यूएस ओपन में किया था उलटफेर?

सबालेंका के खिलाफ उतरने से पहले राखिमोवा ने टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर किया था। उन्होंने पहले दौर में दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन और 27वीं वरीयता प्राप्त बारबोरा क्रेजिकोवा को सीधे सेटों में हराया था। इसके बावजूद सबालेंका ने उन्हें कोई बड़ा मौका नहीं दिया। अब अंतिम-16 में सबालेंका का सामना अमेरिका की टेलर टाउनसेंड से होगा। टाउनसेंड ने 15वीं वरीयता प्राप्त रूस की डायना श्नाइडर को 6-2, 6-7(3/7), 6-3 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

पेगुला ने किसके खिलाफ जीता मैच?

महिला वर्ग के एक अन्य मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी जेसिका पेगुला ने कनाडा की लेयला फर्नांडिज को 1-6, 6-4, 6-3 से हराकर वापसी की। फर्नांडिज पूर्व यूएस ओपन फाइनलिस्ट हैं और पेगुला को शुरुआती सेट में काफी परेशानी हुई। कनाडाई खिलाड़ी की सर्विस में अलग-अलग तरह के स्पिन और गति के कारण पेगुला शुरुआत में सहज नहीं दिखीं। हालांकि, उन्होंने दूसरे सेट में अपनी रणनीति बदली और मुकाबले का रुख पलट दिया।

भारतीय क्रिकेटर्स देंगे फिटनेस टेस्ट, बुमराह समेत चार खिलाड़ी खेलेंगे अभ्यास मैच

मुंबई। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह समेत चार खिलाड़ी चार से नौ सितंबर के बीच प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेंगे। अफगानिस्तान के खिलाफ 13 सितंबर से शुरू होने वाली टी-20 सीरीज से पहले इन खिलाड़ियों की फिटनेस का आकलन किया जाएगा। बुमराह के अलावा हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश रेड्डी भी मैच सिमुलेशन में शामिल होंगे। ये मैच बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने तय किए हैं। बुमराह को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा। चारों खिलाड़ी अलग-अलग चोटों के कारण भारत के हालिया असाइनमेंट से बाहर रहे हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, सीओई को भरोसा है कि चारों खिलाड़ी अफगानिस्तान सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि सीओई की मेडिकल टीम ने पिछले पिछले हफ्ते सिलेक्टर्स को रिपोर्ट दी थी। इसमें कहा गया था कि ये चारों खिलाड़ी क्लिनिकली फिट हैं, लेकिन प्रैक्टिस मैचों में उनका आकलन किया जाना बाकी है। मुंबई में हुई रिव्यू मीटिंग के बाद बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था कि खिलाड़ियों के व्यस्त क्रिकेट कैलेंडर का चोटों पर असर हो सकता है।

बुमराह के बैकअप के तौर पर प्रिंस यादव को तैयार रखा गया है। उन्होंने इसी साल जून में भारत के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया था।

सच बाजार

मप्र-छग में जियो का 'दशक धमाका', 8.9 लाख से 5.09 करोड़ पहुंचा ग्राहक आधार

10 साल में 56 गुना से ज्यादा बढ़े ग्राहक 58.4 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ नंबर-1

वाणिज्य डेस्क.भोपाल

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में रिलायंस जियो ने अपने सफर के 10 साल पूरे कर लिए हैं और इस दौरान कंपनी ने टेलीकॉम बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। सितंबर 2016 में महज 8.9 लाख ग्राहकों के साथ शुरू हुआ सफर जुलाई 2026 तक करीब 5.09 करोड़ ग्राहकों तक पहुंच गया। यानी एक दशक में जियो का ग्राहक आधार करीब 56.6 गुना बढ़ा है। जुलाई 2026 तक दोनों राज्यों के टेलीकॉम सर्किल में करीब 8.71 करोड़ मोबाइल कनेक्शन दर्ज किए गए, जिसमें जियो की हिस्सेदारी 58.4 प्रतिशत रही। कंपनी के अनुसार, अगस्त 2018 में एयरटेल और अक्टूबर 2019 में वोडाफोन आइडिया को पीछे छोड़ने के बाद से जियो इस सर्किल में लगातार नंबर-1 स्थान पर बना हुआ है।

कॉल से डिजिटल लाइफ तक बदली तस्वीर

जियो के विस्तार ने सिर्फ मोबाइल कनेक्टिविटी का दायरा नहीं बढ़ाया, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की डिजिटल जिंदगी को भी बदलने में भूमिका निभाई है। गांवों में छात्र ऑनलाइन पढ़ाई से जुड़े, किसानों को मौसम और बाजार की जानकारी मोबाइल पर मिलने लगी और छोटे कारोबारियों के लिए डिजिटल भुगतान आसान हुआ। वीडियो कॉल, ऑनलाइन बैंकिंग, मनोरंजन, शिक्षा और कारोबार जैसी सेवाओं ने मोबाइल फोन को महज बातचीत के साधन से आगे बढ़ाकर डिजिटल जीवन का अहम हिस्सा बना दिया है।

4जी से ट्रू 5जी, अब एआई और क्लाउड पर नजर

जियो ने मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में अपनी यात्रा 4जी नेटवर्क के साथ शुरू की थी। इसके बाद कंपनी ने ट्रू 5जी तक विस्तार किया और अब अगला फोकस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल कंप्यूटिंग पर है। कंपनी की जियोपीसी जैसी पहल क्लाउड आधारित कंप्यूटिंग को आम उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाने की दिशा में कदम है। मोबाइल नेटवर्क के साथ जियो ने ब्रॉडबैंड बाजार में भी तेजी से विस्तार किया है। जियो फाइबर और जियो एयर फाइबरके जरिए मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में कंपनी का ब्रॉडबैंड ग्राहक आधार 21 लाख से अधिक हो चुका है।

8.9 लाख से 5.09 करोड़ एक दशक में बदली डिजिटल तस्वीर

जियो की 10 साल की यात्रा को सिर्फ ग्राहकों की बढ़ती संख्या के तौर पर नहीं देखा जा सकता। 8.9 लाख से 5.09 करोड़ ग्राहकों तक पहुंचने का यह सफर मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में तेजी से बढ़ती डिजिटल जरूरतों की तस्वीर भी पेश करता है। 4जी के दौर से शुरू हुई यात्रा अब 5जी, एआई और क्लाउड कंप्यूटिंग के नए दौर में प्रवेश कर चुकी है।

हाट बाजार में 50-60 रुपए किलो तक पहुंची कीमत, कहीं 80 का भी आंकड़ा

प्याज के भाव ने निकाले आंसू! जमाखोरी और कालाबाजारी

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

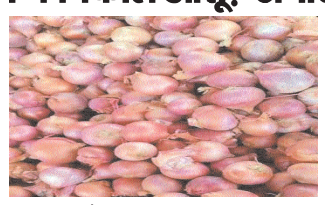

आम आदमी की रसोई में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली सब्जियों में शामिल प्याज के दाम एक बार फिर लोगों को रुलाने लगे हैं। हाट बाजारों से लेकर खुदरा दुकानों तक प्याज की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। कई बाजारों में प्याज 50 से 60 रुपए प्रति किलो बिक रहा है, जबकि कुछ इलाकों में अच्छी गुणवत्ता का प्याज 70 से 80 रुपए किलो तक पहुंच गया है। बताया जा रहा है कि बारिश और नमी के चलते भंडारण में रखा काफी प्याज खराब हो गया है। प्याज के सड़ने से बाजार में अच्छी गुणवत्ता वाले प्याज की उपलब्धता कम हुई है। इसका सीधा असर कीमतों पर पड़ा है और खुदरा बाजार में प्याज महंगा हो गया है। जानकारों के अनुसार कीमतों में अचानक आए उछाल के पीछे केवल सप्लाई में कमी ही नहीं, बल्कि बिचौलियों की सक्रियता, जमाखोरी और कालाबाजारी को भी एक वजह माना जा रहा है।

निगरानी और कार्रवाई की जरूरत

बाजार में प्याज की कीमतों पर नियंत्रण के लिए आवक, भंडारण और खुदरा बिक्री की निगरानी जरूरी मानी जा रही है। जमाखोरी या कालाबाजारी की शिकायतों की जांच कर कार्रवाई होने से बाजार में अनावश्यक तेजी पर अंकुश लगाया जा सकता है। प्याज के बढ़ते भाव ने घरेलू बजट पर भी असर डालना शुरू कर दिया है। रोजमर्रा के भोजन में इस्तेमाल होने वाली इस जरूरी सब्जी की कीमत बढ़ने से आम उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि पहले से महंगी होती सब्जियों के बीच प्याज के दाम में तेजी ने रसोई का खर्च और बढ़ा दिया है।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा ने 6055 क्लासिक 'डार्क एडिशन' और प्रोमैक्स 2.0 रेंज पेश की

फरीदाबाद। एग्री-मशीनरी और कंस्ट्रक्शन उपकरण कंपनी एस्कॉर्ट्स कुबोटा ने अपने फार्मट्रैक ब्रांड के भारत में 30 वर्ष पूरे होने के अवसर पर दो नए प्रोडक्ट पेश किए हैं। कंपनी ने 6055 क्लासिक 'डार्क एडिशन' लांच किया है, जो फार्मट्रैक पोर्टफोलियो का पहला ऑल-ब्लैक ट्रैक्टर है। 55 एचपी श्रेणी का यह मॉडल 2डब्ल्यूडी और 4डब्ल्यूडी दोनों विकल्पों में उपलब्ध होगा।इसके साथ ही कंपनी ने प्रोमैक्स 2.0 सीरीज के तहत दो नए मॉडल-47 एचटी प्रोमैक्स (47 एचपी) और 50 प्रोमैक्स (50 एचपी श्रेणी) पेश किए हैं। दोनों मॉडल भी 2डब्ल्यूडी और 4डब्ल्यूडी विकल्पों में उपलब्ध हैं। एस्कॉर्ट्स कुबोटा भारत में अलग-अलग ग्राहक वर्गों को ध्यान में रखते हुए कुबोटा, फार्मट्रैक और पॉवरट्रैक ब्रांड के जरिए प्रीमियम, एंट्री-प्रीमियम और वैल्यू सेगमेंट में ट्रैक्टर उपलब्ध कराती है। कंपनी ने 1995 में फार्मट्रैक ब्रांड लांच किया था। वर्तमान में फार्मट्रैक भारत में 26 एचपी से 60 एचपी तक के ट्रैक्टरों की रेंज पेश करता है।

पीएनबी का पहला एआई शिखर सम्मेलन में नीतिगत और प्रौद्योगिकी जगत के लीडर्स एक साथ आए

एजेंसी.नई दिल्ली

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा आयोजित इनोवेट, इंटीग्रेट एंड एलीवेट थीम पीएनबी एआई समिट 2026 ने महत्वपूर्ण कीर्तिमान स्थापित किया। दो दिवसीय सम्मेलन ने वित्तीय सेवाओं में एआई-संचालित बदलाव के अगले चरण पर विचार-विमर्श करने के लिए नीति निर्माताओं, नियामकों, बैंकिंग और प्रौद्योगिकी के दिग्गजों, फिनटेक और शिक्षाविदों को एक मंच पर लाने का काम किया। इस शिखर सम्मेलन के अवसर पर वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के अतिरिक्त सचिव डॉ. देबाशीष पुरुस्ती, पीएनबी के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र, आईबीए के मुख्य कार्यकारी अतुल कुमार गोयल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के क्यूटीसी प्रमुख डॉ. जेबीवी रेड्डी, आईएस सलाहकार गुलशन राय एवं डीन, आईआईटी कानपुर डॉ.प्रतीक सेन, डीएफएस, आरबीआई व आईबीए के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उपस्थित रहे।

सीजी पावर की बड़ी उपलब्धिः 14 महीनों में तैयार हुआ देश का सबसे बड़ा पावर ट्रांसफॉर्मर प्लांट

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में पावर इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एक बड़ी औद्योगिक उपलब्धि दर्ज हुई है। सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड ने अपनी नई ग्रीनफील्ड विनिर्माण इकाई से पहला पावर ट्रांसफॉर्मर तैयार कर लिया है। कंपनी के अनुसार 50 एकड़ में फैली यह भारत की सबसे बड़ी सिंगल-लोकेशन पावर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण सुविधा है। पहले ट्रांसफॉर्मर के तैयार होने के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे।

इस अत्याधुनिक संयंत्र में 220 केवी से लेकर 1200 केवी क्षमता के पावर ट्रांसफॉर्मर बनाए जाएंगे। संयंत्र की उत्पादन क्षमता प्रतिमाह करीब 35 पावर ट्रांसफॉर्मर तैयार करने की है। कंपनी का कहना है कि यह सुविधा देश की बढ़ती बिजली और ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरतों को पूरा करने के साथ वैश्विक बाजार के लिए भी ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के विजन को हासिल करने में बिजली क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। सीहोर में इस प्रकार की अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा स्थापित होने से हाई-वोल्टेज ट्रांसमिशन उपकरणों के क्षेत्र में भारत की क्षमता मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में इस तरह के औद्योगिक निवेश से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। कंपनी के अनुसार इस परियोजना से सीहोर में 2,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास है कि मध्यप्रदेश में होने वाले निवेश प्रस्ताव केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीन पर वास्तविक उद्योग और रोजगार के रूप में दिखाई दें। उन्होंने सीजी पावर की परियोजना को प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। सीजी पावर के ग्रुप सीईओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर अमर कौल ने बताया कि अगस्त 2025 में संयंत्र के भूमिपूजन के समय कंपनी ने इसे तेजी से तैयार करने की प्रतिबद्धता जताई थी। करीब 13-14 महीनों में सुविधा को परिचालन के लिए तैयार कर पहला ट्रांसफॉर्मर तैयार करना कंपनी के अनुसार तेज निष्पादन और मध्यप्रदेश सरकार के सहयोग का परिणाम है।

एम्वे ने आयुर्वेद में बढ़ाया कदम 9 नए उत्पाद लांच

नई दिल्ली । हेल्थ और वेलनेस कंपनी एम्वे इंडिया ने आयुर्वेद के क्षेत्र में अपने विस्तार की घोषणा करते हुए न्यूट्रिलाइट आयुर्वेद के तहत नौ नए उत्पाद पेश किए हैं। कंपनी ने इस श्रेणी को अगले दो वर्षों में 100 करोड़ रुपए का कारोबार बनाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के अनुसार, यह पहल 'विकसित भारत 2047' और 'मेक इन इंडिया' की दिशा से जुड़ी है। उत्पादों में इस्तेमाल होने वाली आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों की जिम्मेदारी से सोर्सिंग ऑर्गेनिक खेती करने वाले न्यूट्रीसर्ट प्रमाणित खेतों से की जाती है, जबकि उत्पादों का निर्माण तमिलनाडु स्थित एम्वे की आधुनिक फैक्ट्री में किया जाता है। एम्वे इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश चोपड़ा ने कहा कि आयुर्वेद देश में लोगों की रोजमर्रा की सेहत और वेलनेस का हिस्सा बन रहा है। कालमेघ की एमआरपी 449 रुपए, शिग्रु की 651 रुपए और वृक्षाम्ल की 449 रुपए रखी गई है।

एचवाईबीई इंडिया ऑडिशन की 8 नए शहरों में होगी टैलेंट की तलाश

भोपाल। एचवाईबीई इंडिया नेऑडिशन की अगली कड़ी एचवाईबीई इंडिया ऑडिशन- फाइनल कॉल' का ऐलान किया है। पहले राउंड को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद अब कंपनी देश के 8 और शहरों में पहुंचकर नए कलाकारों की तलाश करेगी। एचवाईबीई इंडिया के अनुसार, ऑडिशन को देशभर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। भारत के 28 राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों से प्रतिभागियों ने आवेदन किया। इसके अलावा दुनिया के अलग-अलग देशों में रहने वाले भारतीयों ने भी ऑडिशन में हिस्सा लिया। अब तक 116 देशों के करीब 1,650 शहरों से आवेदन प्राप्त हुए हैं।

एसरी का स्वदेशी जीआईएस सॉफ्टवेयर 'जियोसारल' लांच

नई दिल्ली। भारत में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) सॉफ्टवेयर, लोकेशन इंटेलिजेंस और मैपिंग सॉल्यूशंस के क्षेत्र में बाजार की अग्रणी कंपनी एसरी इंडिया ने जियोसारल नाम से एक लाइनक्स आधारित डेस्कटॉप जीआईएस सॉफ्टवेयर लांज करने की आज घोषणा की। जियोसारल एसरी इंडिया टीम द्वारा इसस सतत ध्यान और प्रयासों का परिणाम है। जियोसारल के शुरुआती यूज़र्स मैपिंग, विजुअलाइजेशन, एडिटिंग और क्वेरीइंग के लिए किफायती, लाइनक्स आधारित डेस्कटॉप जीआईएस सॉफ्टवेयर पाकर बहुत खुश हैं।

एफकॉम ने किया चार 777-8 एफ फ्रेटर विमानों का अधिग्रहण

चेन्नई। एफकॉम होल्डिंग्स लिमिटेड ने द बोइंग कंपनी के साथ अधिकतम चार बोइंग 777-8एफ फ्रेटर मालवाहक विमानों के अधिग्रहण के लिए आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रस्तावित विमानों का बेड़े में शामिल होना एफकॉम के बेड़े के विस्तार और अंतरराष्ट्रीय विकास रणनीति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे लंबी दूरी की एयर कार्गो सेवाओं और प्रमुख व्यापारिक मार्गों पर अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी के लिए कंपनी की क्षमताएं और मजबूत होंगी। यह एफकॉम के विज़न और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बोइंग 777 वाइड-बॉडी फ्रेटर विमानों की क्षमता एफकॉम के मौजूदा बी737-800 फ्रेटर विमानों की तुलना में लगभग पांच गुना अधिक है।

एयरटेल के 37.6 करोड़ ग्राहकों को डुओलिंगो देगा 12 महीने का सुपर सब्सक्रिप्शन

नई दिल्ली। मोबाइल लर्निंग प्लेटफॉर्म डुओलिंगो ने भारती एयरटेल के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत एयरटेल के 37.6 करोड़ ग्राहकों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के 12 महीने तक सुपर डुओलिंगो का लाभ मिलेगा। डुओलिंगो दुनिया का सबसे लोकप्रिय भाषा सीखने का प्लेटफॉर्म है। इसका उद्देश्य दुनिया की बेहतरीन शिक्षा विकसित करना और उसे सभी के लिए सुलभ बनाना है। इसका भाषा सीखने वाला ऐप 40 से अधिक भाषाओं में पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। छोटे-छोटे पाठों, गेमिफिकेशन, व्यक्तिगत सीखने और एआई-संचालित सुविधाओं के माध्यम से यह भाषा सीखने को रोचक, सुलभ और प्रभावी बनाता है। डुओलिंगो पर उपयोगकर्ता शतरंज, गणित और संगीत भी सीख सकते हैं।

सोनालीका ने की 12,581 कुल ट्रैक्टरों की बिक्री

नई दिल्ली। सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अगस्त की अपनी अब तक की सर्वाधिक 12,581 कुल ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज करते हुए वित्त वर्ष 2027 में अपनी ज़बरदस्त रफ़्तार बनाए रखी है। यह उपलब्धि उद्योग की वृद्धि के मुकाबले शानदार 1.9एक्स वृद्धि से प्रेरित है, जो दुनिया के सबसे बड़े ट्रैक्टर बाजार भारत में प्रमुख कंपनियों के बीच सोनालीका की मजबूत स्थिति को भी दर्शाता है। कंपनी ने होशियारपुर, पंजाब स्थित में अपने दुनिया के नंबर 1 ट्रैक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में अब तक की सर्वाधिक मासिक उत्पादन 18,067 ट्रैक्टर भी दर्ज किया है।

मोटोवर्स 2026 का काउंटडाउन शुरू

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड ने बड़े मोटो-कल्चर आयोजन, मोटोवर्स 2026 के लिए कलाकारों की पहली लाईन-अप की घोषणा कर दी। इन कलाकारों में भारत की सबसे प्रतिष्ठित और दिग्गज हस्तियां शामिल हैं।रॉयल एनफील्ड के 125 साल पूरे होने के जश्न में मोटोवर्स 2026 में 27 से 29 नवंबर, यानी तीन दिनों तक वैगेटर, गोवा में म्यूजिक, मोटरसाईकल, आर्ट, स्पोर्ट और कल्चर का बेहतरीन अनुभव प्राप्त होगा। यह इस फेस्टिवल का अब तक का सबसे बड़ा एडिशन है। मोटोवर्स 2026 में एक्सक्लुसिव मोटरसाईकल पेश की जाएंगी।

सेमसंग ने किया यूएसबी 4 से लैस पी9 और पी7 कॉम्बैट एसएसडी प्रदर्शित

कोलोन। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने गेम्सकॉम 2026 में यूएसबी 4 कनेक्टिविटी से लैस अपनी अगली पीढ़ी की पी9 और पी7 पोर्टेबल एसएसडी सीरीज पेश की। कंपनी के अनुसार, नई सीरीज को अल्ट्रा-हाई-रिज़ॉल्यूशन वीडियो, एआई कंटेंट और बड़े आकार के गेम्स की बढ़ती स्टोरेज जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

सरकारी स्कूलों में बनेंगे एनटीए मानक परीक्षण केंद्र
2027 से एनईईटी राष्ट्रीय अध्ययन सीबीटी मोड में

सच संवाददाता || भोपाल।

वर्ष 2027 से देश में राष्ट्रीय दाखिला परीक्षाओं को कंप्यूटर आधारित बनाने की दिशा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) में कुल शुरू कर दी हैं। नीट यूजी, जेईई मेन, सीयूईटी यूजी-पीजी और यूजीसी-नेट समेत प्रमुख राष्ट्रीय परीक्षाओं के लिए देशभर में एनटीए स्टैंडर्ड टेस्टिंग सेंटर का नेटवर्क तैयार किया जाएगा। इसके लिए केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, पीएम-श्री स्कूलों के साथ इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक और मैनेजमेंट संस्थानों से भी जानकारी मांगी गई है। एनटीए अगले साल होने वाली कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं के लिए पर्याप्त संख्या में परीक्षा केंद्र उपलब्ध कराने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत स्कूलों और कॉलेजों से 15 सितंबर तक उनके कंप्यूटर और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर की विस्तृत जानकारी मांगी गई है।

कंप्यूटर से लेकर सीसीटीवी तक का होगा ऑडिट

परीक्षा केंद्रों के लिए संस्थानों में उपलब्ध कुल चालू कंप्यूटरों की संख्या, कंप्यूटर लैब, अतिरिक्त कंप्यूटर लगाने की क्षमता, प्राइवेसी स्क्रीन पार्टिशन, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्क एवं इंटरनेट कनेक्टिविटी, पावर बैकअप, सीसीटीवी और अन्य परीक्षा सुविधाओं का ब्यौरा लिया जाएगा। इसके अलावा कंप्यूटर आधारित परीक्षा केंद्र स्थापित करने के लिए उपलब्ध खाली या अप्रयुक्त स्थान की जानकारी भी संस्थानों को देनी होगी। एनटीए को मिली जानकारी का संबंधित विभागों के अधिकारी क्रॉसचेक करेंगे।

24 लाख अभ्यर्थियों की परीक्षा बड़ी चुनौती

सूत्रों के मुताबिक, एनटीए के सामने वर्ष 2027 मेंनीट यूजी जैसी बड़ी परीक्षा को पूरी तरह कंप्यूटर आधारित कराने की चुनौती है। एक दिन या कई दिनों में अलग-अलग शिफ्टों में करीब 24 लाख अभ्यर्थियों की परीक्षा कराने के लिए फिलहाल पर्याप्त कंप्यूटर संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। इसी को देखते हुए देशभर में उपलब्ध कंप्यूटर, इंटरनेट, सर्वर, नेटवर्क, सीसीटीवी और पावर बैकअप जैसी सुविधाओं का व्यापक ऑडिट कराया जा रहा है। एनटीए की योजना है कि वर्ष 2027 की राष्ट्रीय परीक्षाओं का शेड्यूल जारी होने से पहले देशभर में पर्याप्त संख्या में मानकों के अनुरूप टेस्टिंग सेंटर तैयार कर लिए जाएं। गौरतलब है कि वर्ष 2026 में करीब 90 फीसदी परीक्षा केंद्र सरकारी शिक्षण संस्थानों में बनाए गए थे।

छह प्रमुख बिंदुओं सहित 30 जानकारियों की जांच

एनटीए स्टैंडर्ड टेस्टिंग सेंटर के लिए संस्थानों से करीब 30 प्रकार की जानकारियां मांगी जा रही हैं। इनमें संस्थान का नाम, एआईसीटीई कार्यालय एवं आईडी, पूरा पता, पिनकोड, जिला और राज्य, निकटतम रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड की दूरी, प्राचार्य या निदेशक की जानकारी और आईटी/कंप्यूटर लैब प्रभारी का विवरण शामिल है। इसके अलावा कंप्यूटर के हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर, नेटवर्क केबल, सर्वर, यूपीएस की संख्या एवं क्षमता, पावर बैकअप, डीजल जनरेटर, एसी, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, स्ट्रांग रूम और परीक्षा संचालन की उपलब्धता जैसी जानकारियां भी देनी होंगी।संस्थानों से यह भी पूछा जा रहा है कि वे शनिवार, रविवार और राजपत्रित अवकाश में परीक्षा आयोजित करने के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं। सेमेस्टर ब्रेक की अवधि और संस्थान में पहले कभी कंप्यूटर आधारित परीक्षा आयोजित हुई है या नहीं, इसकी जानकारी भी मांगी गई है।

इंजीनियरिंग-पॉलिटेक्निक कॉलेजों से 15 सितंबर तक रिपोर्ट

एआईसीटीई के सलाहकार डॉ. एनएच सिद्धलिंग स्वामी ने देशभर के इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक और मैनेजमेंट कॉलेजों के कुलपतियों एवं निदेशकों को पत्र भेजकर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। संस्थानों को चालू कंप्यूटरों की संख्या, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्क, इंटरनेट कनेक्टिविटी, पावर बैकअप, सीसीटीवी और अन्य परीक्षा सुविधाओं का विवरण देना होगा। उपलब्ध जानकारी के आधार पर एआईसीटीई के अधिकारी रिपोर्ट तैयार करेंगे। इस पूरी कवायद का उद्देश्य 2027 से होने वाली राष्ट्रीय परीक्षाओं के लिए सुरक्षित, पारदर्शी और पर्याप्त क्षमता वाले कंप्यूटर आधारित परीक्षा केंद्रों का मजबूत नेटवर्क तैयार करना है, ताकि बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की परीक्षा बिना तकनीकी और व्यवस्थागत बाधाओं के कराई जा सके।

करुणाधाम आश्रम में विधायक सबनानी का जन्मदिन सेवा कार्यों के साथ मनाया

भोपाल। करुणाधाम आश्रम में दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री भगवानदास सबनानी के जन्मदिन के पूर्व सेवा एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर आश्रम में भोजन प्रसादी का वितरण कर जरूरतमंदों और श्रद्धालुओं के साथ जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान वस्त्रों का वितरण भी किया गया।कार्यक्रम संयोजक श्रीमती प्रतीक्षा संतोष ब्रह्मभट्ट के नेतृत्व में आयोजित आयोजन में विधानसभा प्रभारी राजू अनेजा, पार्षद श्रीमती आरती अनेजा, मंडल अध्यक्ष मुकेश दिहाड़े, महामंत्री रामनेता सिंह, मंडल मंत्री संजय शर्मा, एल्डरमैन लीलाधर यादव एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष डिम्पल श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान श्रीमती सपना सक्सेना, राकेश जैन, राजेंद्र ओस्लो, शैलेन्द्र यादव, श्रीमती सुमन वर्मा, श्रीमती सुधा सिंह, श्रीमती निधि चौरसिया, अरविन्द शुक्ला, राम अशुदानी, गोविंद यादव, श्रीमती कविता अनुरागी, तारा सहवाणी, राधा सेंगर और पंकज त्रिपाठी मौजूद रहे। कार्यक्रम में सेवा कार्यों के माध्यम से विधायक के जन्मदिन को सामाजिक समरसता और जनसेवा के संदेश के साथ मनाया गया।

ओरिएंटल इंस्टीट्यूट में दो दिवसीय 'शुभारंभ' ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

सच संवाददाता || भोपाल।

ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी भोपाल के बेसिक साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज विभाग द्वारा बीटेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय 'शुभारंभ 2026' ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम 1 और 2 सितंबर को आयोजित हुआ, जिसमें नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक प्रणाली, उपलब्ध सुविधाओं, परीक्षा व्यवस्था, प्लेसमेंट प्रक्रिया, करियर के अवसरों के साथ-साथ उद्योग जगत में आवश्यक व्यावसायिक एवं तकनीकी कौशल की जानकारी दी गई। विशेषज्ञ वक्ताओं ने विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग शिक्षा के साथ व्यावहारिक ज्ञान और कौशल विकास पर भी ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के पहले दिन डॉ. शिशिर सिन्हा, डीजी ने मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा के बदलते स्वरूप और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, कार्यक्रम के दूसरे दिन डॉ. के.के. शुक्ला, निदेशक,भोपाल ने मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, तकनीकी दक्षता और करियर निर्माण के लिए निरंतर सीखते रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में श्री प्रवीण ठकराल, चेयरमैन, ओरिएंटल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स तथा गौरव ठकराल, वाइस चेयरमैन की उपस्थिति रही।

संस्थान की ओर से विद्यार्थियों को उनके नए शैक्षणिक सफर के लिए शुभकामनाएं दी गईं। 'शुभारंभ 2026' ने नए विद्यार्थियों के लिए कॉलेज जीवन की सकारात्मक और उत्साहपूर्ण शुरुआत का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को संस्थान की कार्यप्रणाली को समझने के साथ अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को लेकर दिशा तय करने में मदद मिली।

अंग्रेजी की पुनर्परीक्षा पर हाईकोर्ट ने एनटीए से मांगा जवाब

भोपाल। यूजीसी-नेट जून 2026 की अंग्रेजी विषय की परीक्षा दोबारा कराने के राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार और एनटीए से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति जस्मीत सिंह की पीठ ने यूजीसी-नेट परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी पारुल श्योराण की याचिका पर नोटिस जारी किया है। याचिका में एनटीए की ओर से 16 अगस्त को जारी उस नोटिस को रद्द करने की मांग की गई है, जिसके जरिए अंग्रेजी विषय की परीक्षा दोबारा कराने का निर्णय लिया गया था। याचिका में पुनर्परीक्षा के फैसले को मनमाना, अनुचित और प्रक्रिया के विपरीत बताया गया है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि अंग्रेजी विषय की पुनर्परीक्षा कराने का निर्णय उन ठोस आधारों या सामग्री का खुलासा किए बिना लिया गया, जिसके आधार पर परीक्षा दोबारा कराने की जरूरत महसूस की गई।

शिक्षक छात्रों में सवाल पूछने और स्वतंत्र सोच की भावना विकसित करें : राष्ट्रपति मुर्मू

सच संवाददाता || भोपाल।

शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशभर के शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अच्छा इंसान बनाने और उन्हें सही दिशा देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने और उनके चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि समर्पित और संवेदनशील शिक्षक प्रत्येक विद्यार्थी की अलग-अलग प्रतिभा को पहचान सकता है। अपने मार्गदर्शन और सलाह के जरिए शिक्षक विद्यार्थियों की क्षमताओं को विकसित करने के साथ उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। ऐसे शिक्षक विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनते हैं और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

नई तकनीक और शिक्षण पद्धतियां अपनाने पर जोर

राष्ट्रपति मुर्मू ने शिक्षकों से लगातार अपने ज्ञान को बढ़ाने, नई तकनीक अपनाने और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में शिक्षा के तरीकों में भी बदलाव जरूरी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में केवल पाठ्यक्रम का ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनमें स्वतंत्र सोच विकसित करना और सवाल पूछने की जिज्ञासा पैदा करना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य होना चाहिए। इससे विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर सकेंगे।

डॉ. राधाकृष्णन को किया याद

राष्ट्रपति ने शिक्षक दिवस के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में यह दिवस पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। उन्होंने डॉ. राधाकृष्णन को महान लेखक, दार्शनिक और असाधारण शिक्षक के रूप में याद किया। राष्ट्रपति ने देशभर के सभी शिक्षकों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कामना की कि शिक्षक ऐसी जागरूक और जिम्मेदार पीढ़ी का निर्माण करें, जो देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों की भूमिका केवल कक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि वे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

आयुष पीजी प्रवेश परीक्षा की प्रोविजनल उत्तरकुंजी जारी, आपत्ति दर्ज कराने का आज अंतिम दिन

सच संवाददाता || भोपाल।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसीने एआईएपीजीईटी 2026 की प्रोविजनल उत्तरकुंजी जारी कर दी है। परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर उत्तरकुंजी के साथ अपना प्रश्नपत्र और रिकॉर्ड किए गए रिस्पॉन्स देख सकते हैं। किसी उत्तर को लेकर आपत्ति होने पर अभ्यर्थियों को ऑनलाइन चुनौती दर्ज कराने का अवसर दिया गया है। एनटीए के अनुसार उत्तरकुजी पर आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तारीख आज रात 11.59 बजे है। इसी समय सीमा के भीतर अभ्यर्थियों को निर्धारित आपत्ति शुल्क भी जमा करना होगा। इसके बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

22 अगस्त को 104 शहरों में हुई थी परीक्षा

एआईएपीजीईटी 2026 की परीक्षा 22 अगस्त को देशभर के 104 शहरों में करीब 205 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। इसमें लगभग 51,482 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इसके अतिरिक्त 1 सितंबर को राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर वूमेन, जयपुर में 49 अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा आयोजित की गई।

एनटीए ने प्रोविजनल आंसर की के साथ परीक्षा के प्रश्नपत्र और रिकॉर्डेड रिस्पॉन्स भी उपलब्ध कराए हैं। इससे अभ्यर्थी अपने उत्तरों का मिलान कर किसी प्रश्न के उत्तर पर आपत्ति होने की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के तहत चुनौती दे सकते हैं। उत्तरकुंजी को चुनौती देने के लिए अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन माध्यम का इस्तेमाल करना होगा।

प्रत्येक प्रश्न पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए 200 रुपये का नॉन-रिफंडेबल शुल्क निर्धारित किया गया है। एनटीए द्वारा प्राप्त आपत्तियों की समीक्षा विशेषज्ञों से कराई जाएगी। इसके बाद आवश्यक संशोधन के आधार पर अंतिम उत्तरकुंजी तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर आगे परिणाम प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

राधावल्लभ मंदिर में धूमधाम से मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

सच संवाददाता || भोपाल।

श्री हरिवंश विराजमान ठाकुर श्री राधावल्लभ मंदिर, बाड़ी कलां, जिला रायसेन में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर भोपाल से पधारे प्रसिद्ध भजन गायक अभिषेक श्रीवास्तव एवं उनके साथी कलाकारों ने भगवान श्री राधा-कृष्ण के मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। कलाकारों ने बधाई गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। आयोजन श्री कृष्ण पाथेय न्यास एवं संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर के समस्त न्यासीगण, वरिष्ठजन एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। भजनों और बधाई गीतों से मंदिर परिसर देर तक भक्तिरस में डूबा रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए और जन्मोत्सव की खुशियां साझा कीं।

मनीषा रानी और प्रिंस नरूला अपनी मज़ेदार केमिस्ट्री इंडियन गेम शो विद भारती एंड हर्ष में लेकर आए

मुंबई। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का इंडियन गेम शो विद भारती एंड हर्ष एंटरटेनमेंट क्वोटिएंट को और ऊँचा करने के लिए तैयार है। इस एपिसोड में लोकप्रिय टेलीविजन हस्तियाँ मनीषा रानी और प्रिंस नरूला एक साथ नजर आएँगे, जो हंसी, मज़ेदार बातचीत और हाई-एनर्जी गेमप्ले से भरपूर होगा। दर्शकों के बीच बेहद पसंद किए जाने वाले होस्ट भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया इस शो को संचालित करते हैं। यह शो सेलिब्रिटीज को उनके कम्फर्ट जोन से बाहर लाकर दर्शकों को उनके मज़ेदार और बेबाक व्यक्तित्व की झलक दिखाता है।

मनीषा रानी के लिए शो पर होना हंसी और यादगार पलों से भरा अनुभव रहा। अपने शो के समय के बारे में बात करते हुए मनीषा ने साझा किया, भारती दीदी और हर्ष भाई के साथ इंडियन गेम शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद शानदार अनुभव था। वे जहां भी जाते हैं, वहाँ पॉजिटिविटी और हंसी लेकर आते हैं, और उनके साथ सेट पर होना सचमुच खुशी की बात थी।

हमने गेम्स खेलते हुए और मजेदार यादें बनाते हुए बहुत अच्छा समय बिताया। मुझे खास तौर पर खुशी हुई कि मेरी जोड़ी प्रिंस नरूला के साथ बनी।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच समाचार पर। आवेदन के लिए लिंक करें
www.buddy4study.com

आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025

- विवरण: आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025, पॉलिसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस फाउंडेशन द्वारा अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को प्रदान किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम युवा, उत्साही व्यक्तियों को राजनीतिक और नीति निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण से अवगत कराता है।
- मानदंड: आवेदन अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक अध्ययनरत छात्रों के लिए जारी है। उन्हें स्नातक अध्ययन पूर्ण करने के बाद राजनीतिक या नीति रणनीति परामर्श में करियर बनाने में रुचि होनी चाहिए।
- इनाम/लाभ: रुपए 5,000 का मासिक स्टाइपेंड तथा सराहना प्रमाण पत्र।
- अंतिम तिथि: पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक:. www.b4s.in/sach/ICPI1
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-media/icpc-internship-programme-20251774330906.png

एसओएफ डिफेंस सर्विसेज़ एकेडमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप

- विवरण: एसओएफ डिफेंस सर्विसेज़ एकेडमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप 2026-27, साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा कक्षा 1 से 10 तक के छात्रों को प्रदान की जा रही है। इसका उद्देश्य भारतीय रक्षा सेवाओं और आंतरिक सुरक्षा सेवाओं के परिवारों से आने वाले छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों को पुरस्कृत करना है।
- मानदंड: भारतीय निवासी कक्षा 1 से 10 में अध्ययनरत छात्र आवेदन कर सकते हैं। वे सेवारत या सेवानिवृत्त रक्षा सेवा/आंतरिक सुरक्षा सेवा कर्मियों के परिवार से संबंधित होने चाहिए।
- इनाम/लाभ: रुपए 5,000 का एकमुश्त नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्राप्त होगा।
- अंतिम तिथि: 31-12-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/SDSAS7
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net /static/images/scho-media/sof-defence-services-academic-excellence-scholarship-dsas-2026-271784610057.png

नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026

- विवरण: नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जा रहा एक अवसर है। यह फेलोशिप यूजीसी-मान्यता प्राप्त संस्थानों में विज्ञान, मानविकी, या सामाजिक विज्ञान संकायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र छात्रों को प्रत्येक वर्ष 2,000 नई फैलोशिप प्रदान की जाती है।
- मानदंड: संबंधित राज्य सरकारों द्वारा सूचीबद्ध अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन जारी है। आवेदकों को यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में पूर्णकालिक, नियमित एम.फिल. या पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, उन्हें राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या स्नातक अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा (गेट) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभ: प्रति माह अधिकतम 35,000 रुपये तथा अन्य लाभ।
- अंतिम तिथि: 20-12-2026
- आवेदन कैसे करें: यूजीसी-नेट-जेआरएफ या यूजीसी-सीएसआईआर नेट-जेआरएफ परीक्षा के मेरिट आधारित चयन द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य ।
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/NFSC1
- QR Code: https://dle9eg0t05513. cloudfront.net/static/images/scho-media/national-fellowship-scheme-for-scheduled-caste-students-nfsc-20261769489377.png

परिवर्तन ईसीएसएस प्रोग्राम

- विवरण: परिवर्तन ईसीएसएस प्रोग्राम 2026-27 एक छात्रवृत्ति पहल है, जिसका उद्देश्य कक्षा 1 से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक के मेधावी और आर्थिक रूप से वंचित छात्रों को सहायता प्रदान करना है।
- मानदंड: कक्षा 1 से 12, डिप्लोमा, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, स्नातक (सामान्य और व्यावसायिक), और स्नातकोत्तर (सामान्य और व्यावसायिक) पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों के लिए खुला है।
- नवीनतम योग्यता परीक्षा में न्यूनतम 55₹ अंक आवश्यक हैं।
- सभी स्रोतों से वार्षिक पारिवारिक आय ?2.5 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- केवल भारतीय नागरिकों के लिए जारी है।
- नोट: उन आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में किसी व्यक्तिगत या पारिवारिक संकट का सामना किया है, जिसने उनकी पढ़ाई जारी रखने की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया हो।
- इनाम/लाभ: शैक्षिक स्तर के आधार पर 5,000 तक की छात्रवृत्ति।
- अंतिम तिथि: 30-09-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/HDFC63
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-media/parivartan-ecss-programme-2026-271786449527.png

मुस्कान स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2.0

- विवरण: मुस्कान स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2.0 (2026-27),वाल्वोलीन कमिंस प्राइवेट लिमिटेड की एक पहल है, जो दक्षिणी, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को सहायता प्रदान करती है। इस स्कॉलरशिप का उद्देश्य व्यावसायिक वाहन चालकों, मैकेनिकों के बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को उनकी शिक्षा जारी रखने में सहायता करना है।
- मानदंड: आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी, सिक्किम, तमिलनाडु और तेलंगाना के कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत छात्र आवेदन के पात्र हैं। एलएमव्ही/एचएमवी चालकों सहित व्यावसायिक वाहन चालकों के बच्चे, मैकेनिकों के बच्चे और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक को पिछली कक्षा में 60₹ या उससे अधिक अंक प्राप्त होना अनिवार्य है। सभी स्रोतों से वार्षिक पारिवारिक आय ?8 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। वाल्वोलीन कमिंस प्राइवेट लिमिटेड (इस्टक्क्क्) और बड्डी4स्टडी के कर्मचारियों के बच्चे आवेदन के पात्र नहीं हैं।
- इनाम/लाभ: चयनित छात्रों को निम्नलिखित छात्रवृत्ति लाभ प्रदान किए जाएंगे। 12,000 तक की छात्रवृत्ति (वास्तविक खर्च के आधार पर) मेंटरशिप सहायता (रोड सेफ्टी पर सत्र)
- अंतिम तिथि: 30-09-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक www.b4s.in/sach/MKSP3
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloudfront.net/static/images/scho-

झमाझम बारिश के बीच मना कान्हा का जन्मोत्सव

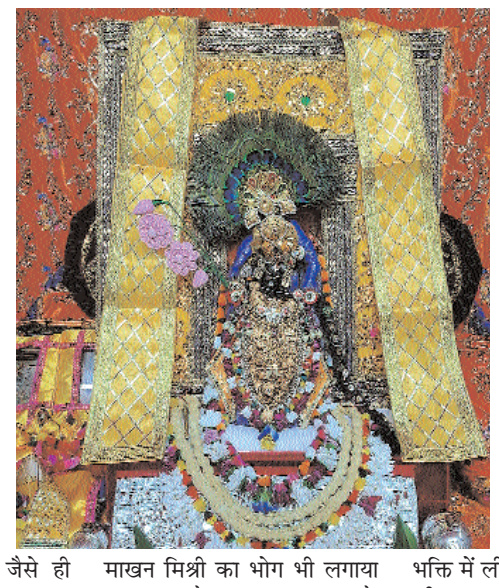

शाजापुर। नंद लाल के जन्मोत्सव नगर में धूमधाम से मनाया गया। केवल नगरवासी ही नहीं बल्कि इन्द्रदेव ने भी जोरदार बारिश के साथ कान्हा के आगमन की खुशियां मनाई। दिनभर से हो रही भारी बारिश के बाद भी नगरवासियों का उत्साह कम नहीं हुआ और नगरवासी दिनभर बाजारों में कान्हा के जन्मोत्सव की तैयारी में उत्साह से जुटे रहे। कहीं भंडारे का आयोजन हुआ तो कहीं कान्हा के स्वागत के लिए मंदिरों में विशेष सज्जा की गई। जैसे ही घड़ी के कांटे मिले पूरा नगर नंदलाल के जयकारों से गूंज उठा।

इस दिन न सिर्फ घरों में न सिर्फ मटकी फोड़ी गई बल्कि माखन मिश्री का भोग भी लगाया गया। इसके अलावा नगर के प्रमुख मंदिरों में कृष्णजन्मोत्सव धुमधाम से मनाया गया। सबसे ज्यादा उत्साह छोटे बच्चों में देखने को मिला जो प्रभु श्री कृष्ण की वेशभूषा में सज-धजकर खुशी से फुले नहीं समा रहे थे। सुबह से ही शहर के प्रसिद्ध व प्राचीन मंदिरों में चार से पांच लोगों की मंडली द्वारा भजन-किर्तन का दौर प्रारंभ हो गया था जो रात 12 बजे श्री कृष्ण जन्मोत्सव तक जारी था। जैसे ही घड़ी में 12 बजे कृष्ण मंदिरों में शंख, झांझ, मंजीरे और घंटालो की गूंज सुनाई दे रही थी। हर कोई भक्त कृष्ण की भक्ति में लीन होकर सुमधुर भजनों की धुन पर थिरकते हुए नजर आए।

अधिकांशत: शिव मंदिरों में सावन माह के दौरान किए जाने वाले शृंगार के समय शिवलिंग को अलग-अलग स्वरूपों में सजाया जाता है। इससे अलग शहर में एक ऐसा भी मंदिर है जिसमें यूं तो श्रीराम दरबार विराजित है, लेकिन जब सावन माह आता है तो भगवान श्रीराम दरबार शिव परिवार के स्वरूप में नजर आता है। वहीं जब श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आती है तो मंदिर में भगवान श्रीराम की प्रतिमा श्रीकृष्ण के रूप में शृंगारित होकर भक्तों को दर्शन देती है। हम बात कर रहे हैं शहर के वजीरपुरा क्षेत्र में स्थित करीब 200 वर्ष प्राचीन खजांची मंदिर की। शहरी क्षेत्र में रामानुज संप्रदाय का यह एकमात्र मंदिर हैं। मंदिर के पुजारी पं. सीताराम तिवारी ने बताया कि ये खजांची मंदिर मूलत: राम मंदिर है। मंदिर पुजारी पं. तिवारी ने बताया कि मंदिर में प्रतिवर्ष जन्माष्टमी पर नोटों से शृंगार किया जाता है।

मंडीदीप में निकली शोभायात्रा

मंडीदीप। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को अखिल भारतीय युवा यादव महासभा मंडीदीप के तत्वावधान में भगवान श्रीकृष्ण की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में यादव समाज सहित नगर के धर्मप्रेमी नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आयोजकों ने कहा कि जन्माष्टमी केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर भी है। समाज की एकता और भाईचारे को मजबूत करने के उद्देश्य से इस प्रकार के आयोजन निरंतर किए जाते रहेंगे।

जिला जेल में मनी जन्माष्टमी

शाजापुर। जिला जेल में शुक्रवार को कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया गया। इस दिन विश्व हिंदू परिषद और दुर्गा वाहिनी की बालिकाएं व महिलाएं जेल पहुंचीं और कैदियों को राखी बांधी। उन्होंने कैदियों को गलत कामों से दूर रहने और आगे सही रास्ते पर चलने का संकल्प दिलाया। जेल परिसर में जन्माष्टमी पर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। छोटे बच्चे भगवान श्रीकृष्ण के बाल रूप में नजर आए जिनकी वेशभूषा आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम में गायक कलाकारों ने भी भगवान श्रीकृष्ण के भजन प्रस्तुत किए। इस दौरान जेल परिसर में धार्मिक कार्यक्रम चलता रहा। जिला जेल अधीक्षक दुष्यंत पगारे ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म जेल में हुआ था। शासन के निर्देश पर हर साल की तरह इस बार भी जेल में जन्माष्टमी मनाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य कैदियों में सकारात्मक सोच और धार्मिक भावना बढ़ाना था। ताकि कैदियों को अच्छे वचन सुनने को मिले।

सच संक्षेप

खो-खो प्रतियोगिता

मंडीदीप। बेगमगंज स्थित सेंट थॉमस स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में औबेदुल्लागंज ब्लॉक के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में जिले के बाड़ी, बेगमगंज, सिलवानी, औबेदुल्लागंज, गैरतगंज, सांची सहित विभिन्न ब्लॉकों की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 14 वर्ष बालक-बालिका, 17 वर्ष बालक-बालिका तथा 19 वर्ष बालक-बालिका वर्ग के रोमांचक मुकाबले खेले गए। औबेदुल्लागंज ब्लॉक के खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक अंक अर्जित किए और ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं 19 वर्ष बालिका वर्ग में औबेदुल्लागंज की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में जीत के लिए जबरदस्त उत्साह और जोश देखने को मिला। खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन और सफलता में प्रशिक्षकों एवं खेल शिक्षकों के मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही

ऑनलाइन धोखाधड़ी

बनखेड़ी। नगर में ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस ने 2 सितंबर को फरियादी की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार 30 अगस्त को ईदगाह चौराहा निवासी बृजेश कुमार कसेरा (40) के फोन-पे के माध्यम से 1 लाख 16 हजार 300 रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी की गई। फरियादी ने मामले की लिखित शिकायत बनखेड़ी पुलिस से की थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर ऑनलाइन लेनदेन और संबंधित तकनीकी साक्ष्यों की जांच शुरू कर दी है।

फरार वारंटी गिरफ्तार

शिवपुरी। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी.प्रजापति एवं प्रभारी एसडीओपी अनुभाग करैरा आनन्द राय के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना प्रभारी दिनारा रविन्द्र सिह कुशवाह एवं उनके हमराही फोर्स द्वारा मुखविर की सूचना पर से माननीय न्यायालय के प्रकरण क्र 14/20 एसएसटी में फरार चल रहे स्थाई वारंटी सोनू उर्फ कोरोना पुत्र विजयराम साहू उम्र 33 साल नि. उन्नाव गेट मोहल्ला ऋषिकुंज स्कूल के पास चौकी उन्नाव गेच कोतबाली झांसी उ.प्र. को गिरफ्तार कर माननीय विशेष एनडीपीएस एक्ट न्यायालय शिवपुरी पेश किया जा रहा है। इस कार्यवाही मे थाना प्रभारी रविन्द्र सिह कुशवाह, प्र.आर.हिमांशु चतुर्वेदी, आर संदीप सिहं चौहान, आर.सोनू साहू (थाना करैरा) सैनिक धर्मपाल सिहं चौहान, आर. शिवम विश्वकर्मा, आर. प्रदीप कौरव, की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

भजनों पर किया नृत्य

शिवपुरी। अपना घर आश्रम में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व उत्साह, उमंग और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरे आश्रम को आकर्षक रूप से सजाया गया और भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। आश्रम में आयोजित मटकी फोड़ कार्यक्रम में प्रभुजियों ने बड़े उत्साह के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान प्रभुजियों ने भगवान श्रीकृष्ण के कृष्णमय भजनों पर जमकर नृत्य किया और भक्तिभाव में सराबोर नजर आए। मटकी फोड़ कार्यक्रम ने जन्माष्टमी के उत्सव में विशेष रंग भर दिया। आश्रम परिसर में मौजूद सभी लोगों ने प्रभुजियों का उत्साह बढ़ाया और भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। जन्माष्टमी के इस आयोजन का उद्देश्य आश्रम में निवासरत प्रभुजियों के बीच पर्व की खुशियां साझा करना और उन्हें अपनत्व एवं आनंद का वातावरण उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रभुजियों के चेहरों पर दिखाई दी खुशी ने पूरे आयोजन को भावपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर अपना घर आश्रम के अध्यक्ष रमेशचंद अग्रवाल, सचिव राजेंद्र गुप्ता, ब्रजेश कुमार मंगल, विजय कुमार गोयल (सेवानिवृत्त सीएमओ), आनंद स्वरूप बिंदल, अनिल कुमार जैन, समाजसेवी लालजी शिवहरे, राम नारायण गुप्ता, राम सनेही शर्मा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे

सीईओ ने किया निरीक्षण

शिवपुरी/पोहरी। पोहरी अनुभाग बीते गुरुवार से हो रही लगातार भारी बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर आ गए है जिसके चलते कई स्थानो पर आवागमन बंद हो गया है। भारी बारिश के चलते प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है और लगातार जलभराव स्थलों का निरीक्षण कर आमजन को जान-जोखिम में डाल रपटा-पुलिया पार न करने की समझाइस दी जा रही है। लगातार हो रही बारिश के चलते शुक्रवार शाम 4 बजे तक जनपद सीईओ ऑफिसर सिंह गुर्जर ने विभिन्न जलभराव स्थलों पिपरघार,झिरी,दुल्हारा,भटनावर, बिलौआ तिराहा सहित अन्य का निरीक्षण किया ओर आमजन को उफान के दौरान रपटा-पुलिया न पार करने की समझाइस दी गई। बही जनपद सीईओ ऑफिसर सिंह गुर्जर ने कंट्रोल रूम स्थापित कर दिया जिसमे 7 कर्मचारियो को 24 घण्टे अलर्ट मो? पर रखा गया है। बता दे कि भारी बारिश के चलते बिलौआ-छर्च मार्ग बंद हो गया है और साथ ही प्रसाशन ने भी आमजन से अपील की है कि बारिश के दौरान जोखिम भरा सफर न करे।

भक्तों ने की पूजा अर्चना

हरपालपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर शुक्रवार को नगर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। श्री राधे कृष्ण सेवा समिति के तत्वावधान में छोटी कुटी आश्रम से गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में भगवान श्रीकृष्ण की सुंदर झांकी और लड्डू गोपाल की पालकी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। बड़ी संख्या में श्रद्धालु शोभायात्रा में शामिल हुए और पूरे मार्ग में भक्तिमय माहौल बना रहा।शोभायात्रा छोटी कुटी आश्रम से प्रारंभ होकर मेन रोड, हरिहर रोड, राठ रोड और लहचूरा रोड होते हुए हरिहर कुटी पहुंची, जहां पूजा-अर्चना के साथ इसका समापन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण भी किया गया। नगर के विभिन्न चौराहों पर शोभायात्रा का स्वागत करते हुए फल, मिठाई सहित अन्य प्रसाद वितरित किए गए। शोभायात्रा में जेसीबी भी शामिल रही।कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक कामाख्या प्रताप सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष अमित अग्रवाल ,चरखारी विधानसभा से दावेदार डॉ. सनद राजपूत, सपा जिला अध्यक्ष कपूर सिंह यादव, मोहन यादव, प्रीतम यादव सहित अन्य लोगों ने पहुंचकर शोभायात्रा में सहभागिता की जन्मोत्सव पर्व पर पूरे नगर में त्योहार का उत्साह देखने को मिला।

खो-खो खिलाड़ी चार दिन से लापता

शाजापुर। जिले के ग्राम किठोर में रहने वाला 16 वर्षीय खो-खो खिलाड़ी नीतेश नेशनल खेलने अपनी टीम के साथ ओडिशा के पुरी गया हुआ था। जहां प्रतियोगिता खत्म होने के बाद सभी खिलाड़ी नहाने समुद्र में गए। जहां नहाने के दौरान वह लहरों के साथ बह गया। घटना के चार दिन बाद भी नीतेश का कोई पता नहीं चला है।

मंगलवार दोपहर को यह हादसा हुआ जब नीतेश तेज लहरों की चपेट में आ गया था। उसके साथ गए खिलाड़ियों ने नीतेश को समुद्र में डूबते देखा। उन्होंने तुरंत लाइफ गार्ड को इसकी जानकारी दी। इसके बाद रेस्क्यू टीम ने समुद्र में तलाश शुरू की, लेकिन नीतेश का कोई सुराग नहीं मिला। घटना को चार दिन हो चुके हैं और उसकी तलाश अब भी जारी है। नीतेश इंदौर फेडरेशन की टीम के साथ 27 अगस्त को राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता में हिस्सा लेने ओडिशा के पुरी गया था। टीम में कुल 14 खिलाड़ी थे। प्रतियोगिता खत्म होने के बाद मंगलवार को सभी खिलाड़ी मंदिर दर्शन के लिए गए। दर्शन के बाद वे गोल्डन बीच पहुंचे और समुद्र में नहाने लगे। इसी दौरान एक तेज लहर आने से नीतेश का संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे पानी में चला गया। उसके साथियों ने उसे डूबते देखा, लेकिन तेज लहरों के कारण उसे बचा नहीं पाए। इस घटना की जानकारी पुरी के सी बीच थाने में भी दी गई है।

कोच भरत भैरवे ने बताया कि खिलाड़ियों को पुरी भेजने से पहले नीतेश के पिता से अनुमति ली गई थी। टीम में उन खिलाड़ियों को चुना गया था, जिन्होंने बेंगलुरु में हुई प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता था। नीतेश को टीम में अतिरिक्त खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया था। घटना की जानकारी मिलते ही नीतेश के परिवार में दुख का माहौल है। सरपंच दिलीप ठाकुर के मुताबिक, नीतेश अपने माता-पिता का इकलौता बेटा है। उसकी एक बहन भी है।

जलजमाव से रहवासी परेशान

शिवपुरी। शहर में दो दिन से जारी बारिश के बाद नमो नगर और बरसाना कॉलोनी के पास स्थित अन्य कॉलोनियां तालाब बन गई हैं। नमो नगर में मुख्य सड़क से लेकर घरों के अंदर तक पानी भर गया है, जिससे रहवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार नमो नगर की मुख्य सड़क के दोनों ओर नाली नहीं होने से बारिश का पानी सीधे कॉलोनी में घुस जाता है। खेतों से आने वाले पानी की निकासी का भी कोई प्रबंध नहीं है। स्थिति यह है कि बच्चों और बुजुर्गों को घुटनों तक भरे पानी से होकर निकलना पड़ रहा है।

लगातार बारिश से किसान खुश

शाजापुर। दो सप्ताह बाद एक बार फिर बादलों ने नगर को अपना डेरा बना लिया। जिसके चलते पिछले 24 घंटे से नगर में बारिश का दौर जारी है। लगातार हो रही बारिश से जहां मौसम में ठंडक घुल गई। वहीं चीलर बांध का जलस्तर भी बढ़कर 10 फीट तक पहुंच गया। मौसम विभाग की माने तो एक नया सिस्टम सक्रिय हुआ है जिसके चलते आगामी तीन दिनों तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा और वर्षा का दौर जारी रहेगा। लगातार हो रही बारिश से किसानों में खुशी है। खेतों में खड़ी फसलों के लिए बारिश को फायदेमंद माना जा रहा है। किसानों का कहना है कि बारिश से फसलों को जरूरी नमी मिलेगी और उत्पादन पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। जिले में अब तक करीब 28 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। हालांकि लगातार बारिश के कारण शहर के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है। ऐसे में प्रशासन और नगर पालिका को पानी भरने वाले क्षेत्रों पर नजर रखने की जरूरत है। दोपहर से मौसम में बदलाव शुरू हुआ था। इसके पहले आसमान पर केवल बादल ही छाए हुए थे। शाम करीब 5 बजे से हल्की बारिश शुरू हुई जो कभी तेज तो कभी रिमझीम तो कभी झमाझम के रूप में जारी रही। रात करीब 11 बजे भी तेज बारिश हुई थी। हालांकि कुछ देर बाद वर्षा थमी जरूर लेकिन कुछ देर बाद फिर बारिश शुरू हुई जो समाचार लिखे जाने तक अनवरत रूप से जारी है।

लक्ष्य से अधिक हुआ पौधारोपण

बनखेड़ी। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने के उद्देश्य से नगर परिषद बनखेड़ी ने 'अमृत हरित महाअभियान' के तहत निर्धारित लक्ष्य से करीब 20 प्रतिशत अधिक पौधारोपण कर 16 हजार पौधे रोपे। अभियान नगर परिषद अध्यक्ष हरीश मालानी एवं सीएमओ निशांत श्रीवास्तव के नेतृत्व और जनभागीदारी से संपन्न हुआ।

अभियान के तहत कलकुही-अंधियार बावड़ी रोड, बंधरजिला, चिल्होद, बिछुआ, रेहटवाड़ा और दहलवाड़ा रोड सहित नगर के प्रमुख मार्गों पर मुख्य रूप से सागौन के पौधे लगाए गए। वहीं, भू-कटाव रोकने और जल संवर्धन के लिए नदी तटों पर बांस का रोपण किया गया। हनुमानगढ़ी, श्मशान घाट सहित शासकीय कार्यालय परिसरों में भी पौधे रोपे गए। पर्यावरण संतुलन एवं जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए आम, आंवला, कटहल, हरड़, बहेड़ा, नीम, पीपल, करंज, शीशम, साल, पलाश, गुलमोहर, अमलतास और बोगनविलिया जैसी देसी, फलदार एवं औषधीय प्रजातियों को प्राथमिकता दी गई। अध्यक्ष मालानी एवं सीएमओ श्रीवास्तव ने बताया कि पौधों की नियमित सिंचाई और खाद के साथ सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। परिषद का उद्देश्य बनखेड़ी को हरा-भरा एवं स्वच्छ बनाना है।

जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

शिवपुरी। जिले में पिछले दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के चलते शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव की गंभीर स्थिति निर्मित हो गई है। आमजन को हो रही परेशानियों को देखते हुए क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र जैन ने नगर पालिका अधिकारियों की टीम के साथ प्रभावित क्षेत्रों का धरातलीय निरीक्षण किया और राहत कार्यों का जायजा लिया। इस अवसर पर नगर मंडल अध्यक्ष पुरानी शिवपुरी गिर्राज शर्मा भी निरीक्षण में शामिल रहे।

निरीक्षण के दौरान विधायक देवेंद्र जैन ने नगर पालिका अमले को सख्त निर्देश दिए कि प्रभावित इलाकों में जल निकासी की व्यवस्था तत्काल दुरुस्त की जाए। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण किसी भी नागरिक को असुविधा न हो, इसके लिए नपा अधिकारी और कर्मचारी मैदान में डटे रहें। प्रभावित परिवारों को हर संभव आवश्यक सहायता तुरंत उपलब्ध कराने और जलभराव वाले क्षेत्रों पर 24 घंटे लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। विधायक ने स्पष्ट किया कि जल निकासी में आ रही रुकावटों को तुरंत दूर किया जाए ताकि निचले इलाकों में जमा पानी जल्द से जल्द निकल सके। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका के प्रशासनिक अधिकारियों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और नागरिक मौजूद रहे।

शिक्षक वैद्य का सम्मान आज

शाजापुर। मावि कांजा में पदस्थ शिक्षक हेमंत वैद्य का चयन राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए किया गया है, जिन्हें शिक्षक दिवस के अवसर पर आज राज्यपाल, मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शासकीय माध्यमिक शाला में पदस्थ शिक्षक हेमंत वैद्य द्वारा अपनी संस्था में लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में यहां के विद्यार्थियों ने नवाचारी कार्य और प्रतियोगिता परीक्षाओं में भी सफलता प्राप्त की हैं। जिसके चलते श्री वैद्य का चयन इस पुरस्कार के लिए किया गया है। विगत एक दशक से मावि कांजा के विद्यार्थियों ने नेशनल मीन्स कम मेरिट, ओलिंपियाड तथा विज्ञान मेले में सदैव श्रेष्ठता अर्जित की है तथा समुदाय के सहयोग से कंप्यूटर लेब, 7 किलो वाट का सौलर प्लांट, स्मार्ट बोर्ड और फर्नीचर, सीसीटीवी कैमरों से अपने विद्यालय को लेस किया है।

कथा में बताया भक्ति का महत्व

शिवपुरी। शहर से करीब 10 किमी दूर स्थित बांकड़े हनुमान मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कृष्ण जन्म प्रसंग का भावपूर्ण आयोजन किया गया। कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कथा में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। जैसे ही कथावाचक बांकडे हनुमान मंदिर महंत डॉ गिरीश जी महाराज के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की कथा का वर्णन किया, पूरा कथा पंडाल भगवान कृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान कृष्ण जन्म प्रसंग के दौरान श्रद्धालु भक्तिभाव में सराबोर नजर आए। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की झांकी ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कथा स्थल पर नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की जैसे जयकारों के साथ भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की खुशियां मनाई। श्रीमद्भागवत कथा की कथा यजमान श्रीमती आशा हरिशंकर अग्रवाल (ठेइया) हैं। आयोजन में उनके परिजन हरिशंकर अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल एवं अशोक अग्रवाल सहित मुख्य संयोजक अजीत अग्रवाल (ठेइया) द्वारा व्यवस्थाओं को संभाला जा रहा है। कथा के दौरान मध्यदेशीय अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष विष्णु गुप्ता (पिपरघार वाले), रामजीलाल बंसल, निर्मल गुप्ता, पार्षद गौरव सिंघल, घनश्याम गुप्ता (तिगरी वाले), अग्रवाल समाज के पूर्व महामंत्री विकास गोयल, समाजसेवी राजू गोयल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।कथा आयोजक परिवार ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 1 सितंबर से 8 सितंबर तक किया जा रहा है। कथा के आगामी प्रसंगों में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं सहित विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। कथा में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की सहभागिता बनी हुई है। और पूरा वातावरण भक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत नजर आ रहा है।

स्कूलों में अवकाश घोषित

शिवपुरी। जिले में लगातार हो रही अत्यधिक वर्षा के कारण नदी-नाले उफान पर आने और कई मार्ग अवरुद्ध होने की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा द्वारा विद्यार्थियों की सुरक्षा के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा आज 05 सितंबर (शनिवार) को जिले के समस्त शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों हेतु एक दिवसीय अवकाश घोषित किया गया है। यह आदेश जिले के अंतर्गत आने वाले सभी शासकीय, अशासकीय, सीबीएसई, आईसीएससी, केंद्रीय विद्यालय, एवं अन्य सभी शैक्षणिक संस्थानों में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए प्रभावी रहेगा।

राशन आवंटन में हेराफेरी पर नोटिस जारी

शिवपुरी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न वितरण में अनियमितता और पदीय कर्तव्यों में लापरवाही बरतने पर जिला प्रशासन द्वारा सख्त रुख अपनाया गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अनुविभाग पिछोर (तत्कालीन कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अनुविभाग कोलारस) गौरव कदम को शासकीय ऑनलाइन राशन पोर्टल पर गंभीर अनियमितता एवं राशन गबन के मामलों में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जारी कारण बताओ नोटिस के तहत कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी गौरव कदम की कोलारस अनुविभाग में पदस्थापना अवधि (मार्च 2025 से नवंबर 2025) के दौरान शासकीय ऑनलाइन राशन पोर्टल पर गंभीर अनियमितता की शिकायतें प्राप्त हुई। जिसमें कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा ऑनलाइन पोर्टल पर पूर्व अवधि का अतिरिक्त आवंटन (अतिरिक्त राशन) दिखाकर उसे बैक डेट तरीके से घटाया या हटाया गया। इस कागजी हेराफेरी के माध्यम से शासकीय उचित मूल्य दुकानों पर 27 से 85 क्विंटल तक अतिरिक्त खाद्यान्न अवैध रूप से हटाया गया। जांच में ग्राम वरखेड़ाखुर्द, चितार, मकरारा एवं एजवारा की राशन दुकानों में खाद्यान्न की हेराफेरी किए जाने की शिकायत प्राप्त हुई है। साथ ही अनुविभाग पिछोर में स्थानांतरण होने के उपरांत भी खाद्यान्न व्यवस्था की सही तरीके से निगरानी और पर्यवेक्षण न करने के कारण खाद्यान्न व्यवस्था प्रभावित हुई है। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने इस कृत्य को म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 03 का स्पष्ट उल्लंघन मानते हुए निर्देशित किया है कि वे अपना स्पष्टीकरण 09 सितंबर 2026 को समक्ष में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें।

अल्पविराम' कार्यशाला आयोजित

शिवपुरी। राज्य आनंद संस्थान, जिला शिवपुरी द्वारा चलाए जा रहे 30 दिन, 30 कार्यशालाएं अभियान के तहत 4 सितंबर 2026 को ए.एन.एम. सेंटर, शिवपुरी में चौथी एक दिवसीय %अल्पविराम' परिचय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को जीवन की भागदौड़ के बीच कुछ पल ठहरकर स्वयं को समझने, अपने रिश्तों को बेहतर बनाने तथा शांति, सकारात्मकता और आनंद की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यशाला की शुरुआत प्रार्थना से हुई। प्रथम सत्र में जिला संपर्क व्यक्ति अभय कुमार जैन ने प्रतिभागियों को स्वयं के जीवन में आनंद को पहचानने तथा उसके बढ़ने और घटने के कारणों को समझने के लिए प्रेरित किया।

इसके बाद सुश्री प्रीति तिवारी ने मेरे रिश्ते' सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों से संवाद किया। झगड़े क्यों होते हैं?' विषय पर नाटक के माध्यम से रिश्तों के महत्व तथा जीवन में रिश्तों के दूर होने और पुनः बेहतर होने के कारणों को समझाया गया। प्रतिभागियों ने अल्पविराम के माध्यम से अपने रिश्तों के मैप को साझा किया और अपने संबंधों पर आत्मचिंतन किया। अगले सत्र में मास्टर ट्रेनर साकेत कुमार पुरोहित ने चार प्रश्नों के माध्यम से प्रतिभागियों को अपने जीवन की %लाइफ बैलेंस शीट' तैयार कराई। इस दौरान क्षमा, धन्यवाद जैसे भावों पर अल्पविराम देकर स्वयं से जुडने और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया गया।

संस्कृति सप्ताह में बच्चों को बांटी स्पोर्टस किट

शिवपुरी। भारत विकास परिषद शाखा विवेकानंद शिवपुरी द्वारा आयोजित संस्कृति सप्ताह के द्वितीय दिवस पर शाखा की महिला सदस्यों ने सेवा, स्नेह और संस्कार की सुंदर मिसाल प्रस्तुत करते हुए बाल गृह के बच्चों के साथ आनंदमय समय बिताया। शाखा की महिला सदस्यों अल्पा सांखला, राधिका मंगल, प्रियंका अग्रवाल, नूपुर गुप्ता, जूली सोनी, अरुणिमा अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, गरिमा जैन, रानू बंसल, स्वाति गर्ग एवं रानी गोयल ने बाल गृह के बच्चों को पटेल पार्क ले जाकर उनके साथ विभिन्न स्पोर्ट्स गेम्स खेले। बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया और आत्मीयता के साथ पिकनिक मनाई।

इस अवसर पर बच्चों के लिए फुटबॉल, क्रिकेट किट एवं अन्य खेल सामग्री वितरित की गई। साथ ही बच्चों के लिए घर से विशेष रूप से मैगी, फ्राइड इडली एवं अन्य स्वादिष्ट खाद्य सामग्री बनाकर लाई गई, जिससे बच्चों के साथ मिलकर पिकनिक का आनंद लिया गया। जूली सोनी, प्रियंका अग्रवाल एवं नूपुर गुप्ता द्वारा बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। अरुणिमा अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, सोनम जैन, राधिका मंगल एवं गरिमा जैन की ओर से खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई।

वहीं अल्पा सांखला की ओर से खेल किट के साथ-साथ खाद्य सामग्री भी वितरित की गई। महिला सदस्यों ने कहा कि बच्चों के साथ कुछ पल बिताना, उनके साथ खेलना और उनके चेहरे पर मुस्कान लाना ही इस सेवा कार्य की सबसे बड़ी खुशी है।

गीता ज्ञान को आत्मसात करने का आव्हान

आष्टा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर यदुवंशी अहीर यादव समाज द्वारा शुक्रवार को नगर में भव्य कृष्ण जन्मोत्सव चल समारोह निकाला गया।बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़ों और भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया। आकर्षक रथ पर भगवान श्रीकृष्ण का विशाल चित्र एवं दूसरे रथ पर राधा-कृष्ण की जुगल जोड़ी विराजमान रही। बड़ी संख्या में समाजजन एवं मातृशक्तियां चल समारोह में शामिल हुईं। चल समारोह अस्पताल चौराहा, परदेसीपुरा, खत्री मार्केट होते हुए बुधवारा स्थित पुराने सिद्धार्थ हॉस्पिटल चौराहे पर पहुंचा। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर चल समारोह का स्वागत किया। मातृशक्तियां पीतांबर रंग के वस्त्र धारण कर भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाते हुए चल रही थीं। 'नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से पूरा नगर गूंज उठा।

सुबह होते ही बंद हुए भदभदा बांध के गेट बड़ा तालाब पहुंचा पूर्ण भराव स्तर के करीब

सच संवाददाता ॥ भोपाल

राजधानी में तेज बारिश के बाद बड़ा तालाब लबालब हो गया। जलस्तर पूर्ण भराव स्तर तक पहुंचने पर शुक्रवार शाम भदभदा बांध का गेट नंबर-6 खोलकर अतिरिक्त पानी की निकासी शुरू की गई थी जो अब शनिवार सुबह पानी की आवक कम होने के बाद भदभदा बांध के खोले गए गेट बंद कर दिए गए। इसके साथ ही जल निकासी भी रोक दी गई है। लगातार बारिश के कारण बड़ा तालाब और भदभदा क्षेत्र में प्रशासन की नजर बनी हुई है।

गौरतलब है कि बड़े तालाब में तेजी से पानी की आवक हुई और जलस्तर 1666.80 फीट के फुल टैंक लेवल तक पहुंच गया था। मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश में अगले 48 घंटों के दौरान कई क्षेत्रों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। ऐसे में भोपाल में बड़े तालाब के जलस्तर और भदभदा बांध की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। भदभदा गेट बंद होने के बाद अब शहरवासियों की नजर इस बात पर है कि बारिश का अगला दौर कितना तेज रहता है और बड़े तालाब में पानी की आवक किस स्तर तक पहुंचती है।

भदभदा पहुंची एनजीटी टीम

राजधानी के भदभदा क्षेत्र में एनजीटी (राष्ट्रीय हरित अधिकरण) की टीम निरीक्षण के लिए पहुंची। टीम ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र की व्यवस्थाओं और जल निकासी से जुड़ी स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों से मौके की स्थिति और अब तक की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। टीम ने भदभदा क्षेत्र में पानी की स्थिति, जल निकासी व्यवस्था और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। अधिकारियों से विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी लेते हुए मौके पर मौजूद स्थिति को भी देखा गया।

उल्लेखनीय है कि भदभदा क्षेत्र बड़ा तालाब और जल निकासी व्यवस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण क्षेत्र है। ऐसे में एनजीटी टीम के निरीक्षण को पर्यावरण और जल प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं की निगरानी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

फर्जी आईएएस तृप्ति सिंह मामला

एआई की मदद से तैयार होते थे फर्जी ज्वाइनिंग लेटर , मास्टरमाइंड भी चढ़ा पुलिस के हत्थे

सच संवाददाता ॥ भोपाल

फर्जी आईएएस बनकर ठगी करने वाली तृप्ति सिंह और उसके भाई सुधांशु के मामले में पुलिस पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपी भाई-बहन शौक-शौक में फर्जी आईएएस बनने का नाटक करने लगे थे, जो बाद में एक बड़े ठगी रैकेट में बदल गया। मामले में पुलिस ने लखनऊ से एक और आरोपी प्रखर को गिरफ्तार किया है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कर फर्जी दस्तावेज और जॉइनिंग लेटर तैयार करता था। आरोपी तृप्ति ने पूछताछ में बताया कि उसने पहले खुद को आईएएस बताकर सरकारी अधिकारियों और वीआईपी ट्रीटमेंट पाने का यह सिलसिला सिर्फ 'मजे के लिए' शुरू किया था। सरकारी रेस्ट हाउस और टूरिज्म स्पॉट पर आसानी से एंट्री मिलने के बाद उसका आत्मविश्वास बढ़ गया, जिसके बाद उसने अपने भाई सुधांशु के साथ मिलकर बेरोजगारों और कारोबारियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। ठगी के जाल को पुख्ता करने के लिए प्रखर नाम का साथी एआई टूल्स की मदद से बेहद सटीक दिखने वाले फर्जी जॉइनिंग लेटर और सरकारी दस्तावेज तैयार करता था।

चंदेरी के टूरिस्ट गाइड से भी की ठगी

चंदेरी के किला कोठी में तृप्ति की मुलाकात एक स्थानीय टूरिस्ट गाइड से हुई थी। खुद को आईएएस बताकर उसने गाइड की बेटी की सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा दिया और 3 लाख रुपये ऐंठ लिए। तृप्ति ने गाइड के मोबाइल पर फर्जी जॉइनिंग लेटर भेजा, जिसे भेजने के महज 37 मिनट बाद ही डिलीट कर दिया गया था।

रिमांड और पूछताछ

भोपाल की बाग सेवनिया पुलिस ने तृप्ति और उसके भाई सुधांशु को 3 सितंबर को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है, जो 7 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर हैं। पुलिस अब आरोपियों के बैंक खातों, डिजिटल चैट और ट्रांजैक्शन की मदद से पैसों के पूरे ट्रेल (लेन-देन) की पड़ताल कर रही है। गिरफ्तार आरोपी प्रखर के लैपटॉप और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है, जिससे इस नेटवर्क से जुड़े अन्य पीड़ितों और मामलों का खुलासा होने की उम्मीद है। पुलिस का अनुमान है कि डिजिटल डिवाइस की गहराई से जांच करने पर इस गिरोह द्वारा ठगे गए अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं।

निर्माणाधीन भवन में 120 सीटों की मान्यता पर सवाल

भोपाल। मध्यप्रदेश के चर्चित नर्सिंग कॉलेज मामले के बीच सीधी जिले में एक और नर्सिंग कॉलेज की मान्यता सवालों के घेरे में आ गई है। कुसमी तहसील के भादौरा स्थित आयुष्मान कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेज को 120 सीटों की मान्यता दिए जाने को लेकर एनएसयूआई ने गंभीर सवाल उठाए हैं। संगठन ने आरोप लगाया है कि मान्यता प्रक्रिया के दौरान कॉलेज का भवन निर्माणाधीन था। इसके बावजूद निरीक्षण दल ने संस्थान को मान्यता के योग्य कैसे पाया, इसकी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने इस मामले में सीबीआई के संयुक्त निदेशक, मुख्यमंत्री और संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिकायत भेजकर कॉलेज की मान्यता प्रक्रिया की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। संगठन ने कॉलेज के स्वामित्व, संचालन, प्रबंधन, आर्थिक लेन-देन और मान्यता के लिए प्रस्तुत दस्तावेजों की भी जांच की मांग की है। 120 सीटों की मान्यता, भवन निर्माणाधीन होने का आरोप एनएसयूआई के मुताबिक कॉलेज ने बीएससी नर्सिंग की 60 और जीएनएम नर्सिंग की 60, यानी कुल 120 सीटों के लिए मान्यता का आवेदन किया था। संगठन का दावा है कि जिस समय मान्यता की प्रक्रिया और निरीक्षण हुआ, उस दौरान कॉलेज का भवन निर्माणाधीन था और वर्तमान में भी निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है। यहीं से सबसे बड़ा सवाल खड़ा किया गया है कि यदि निरीक्षण के दौरान भवन, प्रयोगशालाएं और अन्य अनिवार्य संसाधन निर्धारित मानकों के मुताबिक उपलब्ध नहीं थे, तो निरीक्षण दल ने संस्थान को मान्यता के लिए उपयुक्त किस आधार पर माना? NSI ने मांग की है कि उस समय की निरीक्षण रिपोर्ट, मौके पर उपलब्ध सुविधाओं और मान्यता के लिए प्रस्तुत दस्तावेजों का स्वतंत्र रूप से मिलान कराया जाए।

मैदा मिल की सड़क पर गड्ढे छुपाने के किए जतन

भोपाल। राजधानी के मैदा मिल क्षेत्र में सड़क की बदहाल स्थिति बारिश के बाद एक बार फिर सामने आ गई। सड़क पर बने गहरे गड्ढों को छिपाने और राहगीरों को राहत देने के लिए किए गए तमाम इंतजाम बारिश के पानी और कीचड़ के आगे बेअसर साबित हो रहे हैं। स्थिति यह है कि सड़क पर जमा कीचड़ में वाहनों के टायर करीब आधा फीट तक धंस रहे हैं। दोपहिया वाहन चालकों के साथ ही कार और बड़े वाहनों को भी यहां से गुजरने में परेशानी हो रही है। गड्ढों में पानी भर जाने के कारण उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बना हुआ है।

बारिश के बाद बढ़ी परेशानी, हादसे का खतरा, सड़क की मरम्मत की मांग

मेट्रो निर्माण के चलते जवाहर चौक की सड़क पर गड्ढे, राहगीर परेशान

सच संवाददाता ॥ भोपाल

राजधानी भोपाल के व्यस्त जवाहर चौक क्षेत्र में मेट्रो निर्माण कार्य के चलते सड़क की स्थिति खराब होने से वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो रहा है। मेट्रो निर्माण के चलते इस मार्ग पर पहले भी यातायात व्यवस्था में बदलाव किया जा चुका है। जवाहर चौक स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर गड्ढों और उखड़े हिस्सों के कारण दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। तेज रफ्तार से आने वाले वाहनों के बीच अचानक गड्ढे सामने आने से दुर्घटना का खतरा बना रहता है। बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है।

गौरतलब है कि राजधानी में बारिश के बाद कई प्रमुख सड़कों पर गड्ढों की समस्या सामने आई है। पूर्व में न्यू मार्केट से जवाहर चौक क्षेत्र में भी सड़क पर बड़े गड्ढों और खराब सतह के कारण वाहन चालकों की परेशानी की रिपोर्ट सामने आ चुकी है। राहगीरों और वाहन चालकों ने संबंधित विभाग तथामध्य प्रदेश मेट्रो रेल कंपनी लिमिटेड से मांग की है कि निर्माण क्षेत्र के आसपास सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए।

सांदीपनि के विस्तार के साथ सरकारी स्कूलों की विदाई

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नाम पर बड़ा बदलाव आकार ले रहा है। सरकार एक ओर हर 15 किलोमीटर के आसपास सर्वसुविधायुक्त सांदीपनि विद्यालय खड़े करने की तैयारी कर रही है, वहीं दूसरी ओर कम छात्र संख्या वाले हजारों छोटे सरकारी स्कूलों के अस्तित्व पर संकट गहराता जा रहा है। यूडीआईएसई प्लस के आंकड़ों के मुताबिक पिछले शैक्षणिक सत्र में प्रदेश के 2,426 सरकारी स्कूल बंद हुए, जो देश में सबसे अधिक हैं। अब अगले पांच साल में करीब 7 हजार और स्कूल बंद या मर्ज होने का अनुमान है। यानी तस्वीर यह है कि सरकार बड़े और सुविधायुक्त स्कूलों का नेटवर्क तैयार कर रही है, लेकिन इसकी कीमत छोटे सरकारी स्कूलों को अपना अस्तित्व खोकर चुकानी पड़ सकती है। सांदीपनि विद्यालय योजना को प्रदेश में सरकारी शिक्षा व्यवस्था का नया मॉडल बनाने की तैयारी है। इसके दो चरणों में कुल 773 विद्यालय विकसित किए जाने हैं। इन पर करीब 24,915 करोड़ रूपए खर्च होने का प्लान है। पहले चरण में 370 स्कूल हैं, जिनमें 274 स्कूल शिक्षा विभाग और 94 जनजातीय कार्य विभाग के हैं। इन पर 13,525 करोड़ रूपए से अधिक खर्च किया जा रहा है। यहां करीब 4.43 लाख विद्यार्थियों को प्रवेश देने का लक्ष्य है। दूसरे चरण में 405 विद्यालय प्रस्तावित हैं। इन पर 11,390 करोड़ रूपए से ज्यादा खर्च होगा और करीब 4.05 लाख रूपए अतिरिक्त विद्यार्थियों को प्रवेश देने की योजना है। दोनों चरण पूरे होने पर करीब 8.48 लाख विद्यार्थियों की क्षमता तैयार होगी। लेकिन दूसरी तरफ 15 हजार स्कूलों में 20 से कम बच्चे सरकारी शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौती यहीं सामने आती है। प्रदेश में 15,170 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां 20 से भी कम विद्यार्थी हैं। इनमें फिलहाल अतिथि शिक्षकों के माध्यम से पढ़ाई कराई जा रही है।

अब आश्वासन नहीं स्थाई रोजगार चाहिए

भोपाल। शिक्षक दिवस पर शनिवार को तेज बारिश के बीच अतिथि शिक्षकों ने शाहजहानी पार्क में सांकेतिक प्रदर्शन किया। मौसम खराब होने के कारण बड़ी संख्या में शिक्षक प्रदर्शन में शामिल नहीं हो सके। संगठन के मुताबिक, शिक्षकों से केवल उन्हीं लोगों को आने के लिए कहा गया था, जो बारिश के बीच आसानी से पहुंच सकते हैं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से वर्षों से लंबित घोषणाओं को पूरा करने और अतिथि शिक्षकों के लिए स्थायी रोजगार की नीति बनाने की मांग की। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने कहा कि सरकार ने अतिथि शिक्षकों के वार्षिक अनुबंध, बीच सत्र में बेरोजगार नहीं करने, गुरुजियों की तरह नीति बनाकर नियमित करने और सीधी भर्ती में बोनस अंक देने की घोषणाएं की थीं। इन पर अब तक अमल नहीं हुआ है। परिहार ने कहा कि अतिथि शिक्षक वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उनका भविष्य अब भी असुरक्षित है। सरकार को उनके लिए स्थायी रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए। बारिश के कारण शनिवार का प्रदर्शन सांकेतिक रखा गया। संगठन ने सरकार को मांगें पूरी करने के लिए एक महीने का अल्टीमेटम दिया है। परिहार ने कहा कि यदि एक महीने में अतिथि शिक्षकों के हित में स्थायी नीति नहीं बनाई गई तो 2 अक्टूबर, गांधी जयंती से भोपाल में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। 18 साल से अंशकालीन व्यवस्था में काम संगठन का कहना है कि मध्यप्रदेश में अतिथि शिक्षक व्यवस्था वर्ष 2008 में शुरू हुई थी। करीब 18 साल बाद भी अतिथि शिक्षक अंशकालीन व्यवस्था में काम कर रहे हैं। संगठन ने सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा के साथ अवकाश, मेडिकल बीमा और महिला अतिथि शिक्षकों को प्रसूति अवकाश जैसी सुविधाएं नहीं मिलने का भी आरोप लगाया। 2023 की घोषणाओं पर अमल नहीं होने का आरोप।

26 करोड़ की इमारत डेढ़ साल से बंद

भोपाल। राजधानी के जेपी अस्पताल में मरीजों को बेहतर और आधुनिक इलाज देने के लिए तैयार की गई नई बहुमंजिला इमारत अब खुद ही बदहाली का शिकार होने लगी है। करीब 26 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुई पांच मंजिला इमारत को मरीजों के लिए खोलने की कई समय-सीमाएं तय हो चुकी हैं, लेकिन अब तक इसका शुभारंभ नहीं हो सका है। स्थिति यह है कि लंबे समय से बंद पड़ी इमारत के आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा होने लगा है। परिसर में शराब की बोतलें दिखाई दे रही हैं, जबकि अस्पताल के बाहर बने पोर्च में लोग मोटरसाइकिल और कार खड़ी कर रहे हैं। करीब डेढ़ साल से तैयार इस इमारत का उपयोग शुरू नहीं होने से एक तरफ मरीजों को नई सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है, वहीं दूसरी तरफ खाली पड़े परिसर की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। नई इमारत को चालू करने को लेकर प्रशासन की ओर से कई बार समय-सीमा तय की गई। हाल ही में कलेक्टर की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे कि हर हाल में 15 अगस्त तक नई इमारत शुरू की जाए। इसके बावजूद सितंबर शुरू हो चुका है, लेकिन अस्पताल प्रबंधन की ओर से यहां मरीजों को शिफ्ट करने या सेवाएं शुरू करने की कोई ठोस गतिविधि दिखाई नहीं दे रही है। इससे पहले भी भवन को शुरू करने की तारीखें तय की गई थीं। नवंबर 2025 की रिपोर्ट में भी सामने आया था कि करीब 26 करोड़ रुपए से तैयार भवन मरीजों के लिए नहीं खुल सका था। उस समय भवन को अस्पताल प्रशासन को सौंपने और तकनीकी कमियों को लेकर मामला अटका हुआ बताया गया था। पांच मंजिल की इमारत, इलाज की सुविधाओं का विस्तार नई इमारत जेपी अस्पताल परिसर में ही पुराने भवन के पास बनाई गई है। पांच मंजिला भवन में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बिस्तरों और कई महत्वपूर्ण चिकित्सा सुविधाओं की योजना बनाई गई है।परियोजना के शुरुआती प्रस्ताव में 270 बिस्तर और चार आधुनिक ऑपरेशन थिएटर बनाने की बात सामने आई थी। बाद की विस्तृत योजना में भवन की क्षमता 240 बिस्तर बताई गई। इसमें आपातकालीन उपचार, शल्य चिकित्सा और अलग-अलग वार्डों के साथ जांच तथा अन्य चिकित्सा सुविधाओं को एक ही परिसर में उपलब्ध कराने की योजना थी। 2024 की योजना के मुताबिक करीब 26 करोड़ रुपए की लागत वाली इस इमारत में राज्य सरकार की करीब 19 करोड़ और केंद्र की करीब 7 करोड़ रुपए की हिस्सेदारी बताई गई थी।

बिजली चोरी के केस में राहत का मौका

भोपाल। बिजली चोरी या बिजली से जुड़ी अनियमितता के मामलों में फंसे उपभोक्ताओं के लिए 12 सितंबर 2026 को राहत पाने का मौका है। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर और चंबल संभाग के 16 जिलों में नेशनल लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इसमें लंबित बिजली मामलों का समझौते के जरिए निराकरण किया जा सकेगा। सबसे अहम बात यह है कि पात्र मामलों में सिर्फ मूल देनदारी पर ही राहत नहीं मिलेगी, बल्कि विलंब से लगने वाले ब्याज में भी बड़ी छूट का प्रावधान है। बिजली कंपनी के अनुसार लोक अदालत में उन्हीं मामलों को इस योजना का लाभ मिलेगा, जिनमें आकलित सिविल दायित्व की राशि 10 लाख रुपये तक है। हालांकि हर मामले में एक जैसी छूट नहीं मिलेगी। मामला प्री-लिटिगेशन स्तर पर है या पहले से न्यायालय में लंबित है, इसके आधार पर राहत की राशि अलग होगी। यदि मामला अभी न्यायालय में जाने से पहले यानी प्री-लिटिगेशन स्तर पर है, तो कंपनी द्वारा आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इसका मतलब है कि ऐसे उपभोक्ता लोक अदालत में समझौता करके अपनी देनदारी का एक हिस्सा कम करा सकते हैं। कोर्ट में लंबित मामलों में 20 प्रतिशत छूट जो मामले पहले से लिटिगेशन स्तर पर पहुंच चुके हैं, उनमें आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके साथ सबसे बड़ी राहत ब्याज के मामले में है। भुगतान में देरी पर लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। लंबे समय से लंबित बिजली मामलों में मूल आकलित राशि के साथ ब्याज की रकम भी काफी बढ़ सकती है।

शिक्षक अभ्यर्थियों का आंदोलन खत्म

भोपाल । राजधानी भोपाल के नीलम पार्क में पदवृद्धि और नियुक्ति की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे चयनित शिक्षकों (वर्ग 2 और वर्ग 3) का आंदोलन शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की मध्यस्थता के बाद समाप्त हो गया। दिग्विजय सिंह ने शिक्षा मंत्री से फोन पर चर्चा कर आगामी मंगलवार तक मांगों के निराकरण का आश्वासन दिलाया और आंदोलनकारी शिक्षकों को जूस पिलाकर उनका भूख हड़ताल खत्म कराया। धरना स्थल पर पहुंचे दिग्विजय सिंह उस समय नाराज हो गए जब कुछ आंदोलनकारी नारेबाजी करने लगे। उन्होंने स्पष्ट कहा क यदि आप लोग शांत नहीं होंगे तो मैं यहां से चला जाऊंगा। दिग्विजय सिंह की नाराजगी के बाद आंदोलनकारी शांत हुए और कार्यक्रम सुचारू रूप से आगे बढ़ा। 'मोहन यादव सरकार वापस ले टीईटी की अनिवार्यता, भरे जाएं 1.41 लाख खाली पद' शिक्षक दिवस का हवाला देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने बीजेपी सरकार और शिक्षा व्यवस्था पर कड़े प्रहार किए। बीजेपी शासित राज्यों में शिक्षकों के साथ अन्याय उन्होंने कहा कि देश और विशेषकर बीजेपी शासित राज्यों में शिक्षकों के साथ अन्याय हो रहा है। मोहन सरकार को टीईटी (ञ्जश्वञ्ज) की अनिवार्यता का फैसला तुरंत वापस लेना चाहिए। शिक्षा विभाग में 1 लाख 41 हजार से अधिक पद खाली पड़े हैं। सरकार चाहे तो वर्ग 2 और 3 के 43 हजार खाली पदों पर आज ही भर्ती कर सकती है। इनमें से आधे पद सीधी भर्ती और आधे प्रमोशन से भरे जाने चाहिए। 99 फीसदी अंक लाने वाले चयनित शिक्षकों और अतिथि शिक्षकों की नियुक्तियां नहीं की जा रही हैं।

अब पंचायतों का बजट तय करेगा विकास का स्तर

भोपाल। मध्य प्रदेश में ग्राम पंचायतों के विकास बजट की तस्वीर अब पंचायत की पहुंच या प्रभाव से नहीं, बल्कि उसके विकास के स्तर और जरूरत से तय करने की तैयारी है। प्रदेश की 23,011 ग्राम पंचायतों का ए, बी और सी श्रेणियों में वर्गीकरण किया गया है। इसका मकसद यह तय करना है कि जिस पंचायत में विकास की जरूरत ज्यादा है, वहां संसाधनों को उसी अनुपात में प्राथमिकता दी जा सके। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि करीब 14 हजार पंचायतें सी श्रेणी में रखी गई हैं। यानी प्रदेश की बड़ी संख्या में पंचायतें अभी ऐसे स्तर पर हैं, जहां बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों की अधिक जरूरत मानी गई है। अब इन पंचायतों के लिए बजट आवंटन का फार्मूला तैयार होना बाकी है। प्रदेश में कुल 23,011 ग्राम पंचायतों में से करीब 1,000 ए श्रेणी, 8,000 बी श्रेणी और करीब 14,000 सी श्रेणी में हैं। ए श्रेणी में अपेक्षाकृत विकसित पंचायतें रखी गई हैं, जबकि बी श्रेणी बीच के स्तर की पंचायतों को दर्शाती है। सी श्रेणी में वे पंचायतें शामिल हैं, जहां विकास की जरूरत सबसे ज्यादा मानी गई है। इस वर्गीकरण के बाद पंचायतों को मिलने वाले विकास बजट के लिए केंद्र सरकार स्तर पर फार्मूला तैयार किया जा रहा है। इसके बाद यह स्पष्ट होगा कि किस श्रेणी की पंचायत को कितनी राशि उपलब्ध होगी। 100 अंकों का पैमाना तय करेगा स्थिति पंचायतों की श्रेणी किसी एक आधार पर तय नहीं की गई है। इसके लिए 100 अंकों की ग्रेडिंग व्यवस्था बनाई गई है। इसमें जिला मुख्यालय से दूरी, गरीबी सूचकांक, आकांक्षी ब्लॉक की स्थिति, शिक्षा, स्वास्थ्य और सडक़-बिजली जैसी अधोसंरचना सहित कुल नौ सूचकांकों को शामिल किया गया है। इसका मतलब यह है कि पंचायत के विकास का आकलन कई अलग-अलग पैमानों पर किया जाएगा। जिन पंचायतों का स्कोर और विकास स्तर बेहतर है, वे ए श्रेणी में हैं, जबकि कम विकसित पंचायतें बी और सी में आती हैं। 14 हजार सी श्रेणी की पंचायतें सबसे अहम नई व्यवस्था में सबसे बड़ा सवाल सी श्रेणी की पंचायतों को लेकर है। प्रदेश की करीब 61 प्रतिशत पंचायतें इसी श्रेणी में आती हैं। इन गांवों में सडक़, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों की जरूरत अपेक्षाकृत अधिक मानी गई है। यदि बजट आवंटन में श्रेणी और जरूरत दोनों को आधार बनाया जाता है तो इन पंचायतों को विकास के लिए अतिरिक्त प्राथमिकता मिल सकती है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि ए, बी और सी श्रेणी को अलग-अलग कितनी राशि मिलेगी। अंतिम आवंटन फार्मूला केंद्र स्तर पर तैयार होना है। पांच साल में 29,619 करोड़ का प्लानयह पूरी व्यवस्था वीबी-जी राम जी (ग्रामीण) योजना के तहत लागू की जा रही है। मध्य प्रदेश में योजना 1 जुलाई से प्रभावी हो चुकी है। अगले पांच वर्षों में योजना पर कुल 29,619 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं। इसमें 10,574 करोड़ रुपये राज्यांश के रूप में होंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने पंचायतों के श्रेणीकरण को मंजूरी दे दी है। अब जल्द अधिसूचना जारी होने की प्रक्रिया है। 318 तरह के कामों की योजना पंचायतों को 'विकसित पंचायत-2047' की सोच के साथ अपनी विकास योजनाएं तैयार करनी हैं। योजना में करीब 318 तरह के कार्य शामिल किए गए हैं। इसमें पहली प्राथमिकता बुनियादी ढांचे से जुड़े कामों को दी गई है। योजना लागू होने के करीब दो महीने में ही प्रदेश में करीब 4,000 कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं। पंचायत से केंद्र तक तीन स्तर पर होगी जांच विकास कार्यों को मंजूरी देने की प्रक्रिया भी ऑनलाइन रखी गई है। पंचायत पहले 'प्लानर' पोर्टल पर अपना प्रस्ताव दर्ज करेगी। इसके बाद उसकी व्यवहार्यता का परीक्षण 'सिपरी' सॉफ्टवेयर के माध्यम से होगा।

स्वामी/प्रकाशक/संपादक उज़मा सिकंदर द्वारा मुद्रक नरेश मंगतानी द्वारा बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल, 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं एफ 113/33 शिवाजी नगर भोपाल 462016 से प्रकाशित।
समूह संपादक : अशोक वर्मा, * समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समाचार संपादक : अंसारुल हसन सिद्दीकी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. रजि. MPHIN/2025/A2700, Mail-ID sachesamachar013@gmail.com फोन नं. :- 0755-4152506